दैनिक

# लद्दाख टुडे

Title Code: LDHIN00001 | वर्षः 02 अंकः 266 | जम्मू, कश्मीर, लेह, गुरुवार 13 नवम्बर 2025 | पृष्ठः 8 | मूल्य 2 रुपए



MALABAR
GOLD & DIAMONDS


## प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट बैठक में लाल किला बम विस्फोट पर प्रस्ताव पारित



**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 नवंबर 2025 की शाम को दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में हुई आतंकवादी घटना में हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। मंत्रिमंडल ने निर्दोष लोगों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा।

मंत्रिमंडल ने निम्नलिखित प्रस्ताव भी पारित किया कि देश ने 10 नवंबर 2025 की शाम को लाल किले के पास हुए कार विस्फोट के माध्यम से राष्ट्र–विरोधी ताकतों द्वारा अंजाम दी गई एक जघन्य आतंकवादी घटना देखी है। इस विस्फोट में कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

मंत्रिमंडल हिंसा के इस मूर्खतापूर्ण कृत्य के पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। मंत्रिमंडल सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और पीड़ितों की देखभाल और सहायता प्रदान करने वाले चिकित्सा कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं के त्वरित प्रयासों की सराहना करता है।

मंत्रिमंडल इस नृशंस और कायराना कृत्य की स्पष्ट रूप से निंदा करता है जिसके कारण निर्दोष लोगों की जान गई है। मंत्रिमंडल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है। मंत्रिमंडल ने दुनिया भर की कई सरकारों द्वारा दिए गए एकजुटता और समर्थन के बयानों की भी सराहना की। मंत्रिमंडल अधिकारियों, सुरक्षा एजेंसियों और नागरिकों की समय पर और समन्वित प्रतिक्रिया की सराहना करता है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में साहस और करुणा के साथ कार्य किया। उनका समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत सराहनीय है।

मंत्रिमंडल निर्देश देता है कि घटना की जाँच अत्यंत तत्परता और ■ शेष पेज 2...

## आतंकवाद ने तीन दशकों तक जम्मू–कश्मीर के युवाओं को तबाह किया : एलजी सिन्हा

**लद्दाख टुडे ब्यूरो**

**श्रीनगर।** उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा, हमने 5 वर्षों में विशाल बुनियादी ढाँचा तैयार किया है और अब युवा पेशेवरों को जम्मू–कश्मीर की किस्मत बदलने के लिए विकास रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले 5–6 वर्षों में मानव पूंजी, अनुसंधान एवं विकास, इनक्यूबेशन केंद्रों और विश्व. विद्यालय के बुनियादी ढाँचे में किया गया भारी निवेश



जम्मू–कश्मीर के आर्थिक विकास को गति देगा।

उपराज्यपाल इस्लामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्व. विद्यालय (आईयूएसटी) के स्थापना दिवस समारोह के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने आईयूएसटी इनोवेशन कैंपस और अवंतीपोरा स्थित आईयूएसटी मुख्य परिसर में एक नए प्रशासनिक ब्लॉक का उद्घाटन किया। उपराज्यपाल ने 2021 से आईयूएसटी में हुए परिवर्तन और नामांकन, स्टार्टअप इनक्यूबेशन, स्थिरता, अनुसंधान और नवाचार में विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ■ शेष पेज 2...

## पुलिस ने यूएपीए के तहत पूर्व बार अध्यक्ष मियां अब्दुल कयूम का आवासीय भवन और उससे सटी ज़मीन कुर्क की

**लद्दाख टुडे ब्यूरो**

**श्रीनगर।** जम्मू–कश्मीर पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत जम्मू–कश्मीर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मियां अब्दुल कयूम के दो मंजिला आवासीय भवन और उससे सटी ज़मीन को कुर्क करने का आदेश दिया है।



जम्मू–कश्मीर पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक आद.`श के अनुसार, यह कार्रवाई शहीदगंज पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 120, 120–बी, 121, 153–ए और यूएपीए की धारा 13, 38 और 39 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 157/2009 से संबंधित है। यह एफआईआर 31 दिसंबर, 2009 की एक घटना से संबंधित है, जिसमें स्वर्गीय अली मोहम्मद जिन्ना की पुण्यतिथि पर श्रीनगर के होटल जहाँगीर में एक सेमिनार आयोजित ■ शेष पेज 2...

## काउंटर इंटेलिजेंस ने कठुआ जेल में चलाया तलाशी अभियान

**लद्दाख टुडे ब्यूरो**

**कठुआ।** सीआईडी काउंटर इंटेलिजेंस कठुआ/सांबा द्वारा जिला जेल कठुआ में एक औचक छापेमारी एवं तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना, राष्ट्र–विरोधी संचार को रोकना और प्रतिबंधित वस्तुओं की पहचान करना था।

इस अभियान में सीआईडी काउंटर इंटेलिजेंस और जिला पुलिस तथा एंटी–सबोटेज टीम (एएसटी) की पाँच संयुक्त टीमें शामिल ■ शेष पेज 2...

## संक्षिप्त समाचार

### फेफड़े, कान और पेट... दिल्ली बम विस्फोट का खौफनाक सच पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आया सामने

**नई दिल्ली।** दिल्ली लाल किले के पास हुए ब्लास्ट ने पूरे देश को हिलाकर कर रख दिया है। इस धमाके में 12 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हैं। घायलों को देखने बुधवार पीएम मोदी भूटान से लौटते ही सीधे हॉस्पिटल पहुंचे। इस धमाके का मुख्य संदिग्ध डॉक्टर उमर उन नबी की पहचान और उस कार के सफर के हर कड़ी को सुरक्षा एजेंसियों की ओर से खंगाला जा रहा है। वहीं इस बीच इस धमाके में मारे गए लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चौकाने वाले खुलासे हुए हैं।

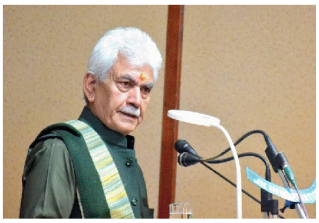

मारे गए लोगों के कान के पर्दे फट गए, फेफड़े और आंतें फट गईं, शरीर के ऊपरी हिस्सों में गहरे घाव मिले। धमाके की तीव्रता इतनी जबरदस्त थी कि कई लोग दीवारों से टकराकर दूर जा गिरे। हालांकि मौके पर कोई छर्रे नही मिले, जिससे जांच एजेंसियां विस्फोटक के प्रकार को लेकर उलझन में हैं। अब एनआईए ने केस अपने हाथ में ले लिया है और इसे संभावित आतंकी साजिश ■ शेष पेज 2...

### 26 जनवरी को होना था लाल किला धमाका? डॉ उमर नबी और मुजम्मिल शकील ने क्यों बदला प्लान!

**नई दिल्ली।** लाल किला के पास हुए धमाके को लेकर एक और बड़ी जानकारी सामने आई है। पुलिस और जांच एजेंसियां इस बात की जांच में लगी हैं कि क्या 10 नवंबर, 2025 को कार में जो विस्फोट हुआ, वह 26 जनवरी को होना था? दिल्ली धमाके के संदिग्ध आत्मघाती हमलावर डॉ उमर नबी के सहयोगी डॉ मुजम्मिल शकील गनी के मोबाइल फोन के डंप डेटा के विश्लेषण से कुछ इसी तरह का संदेह पैदा हो रहा है। फरीदाबाद के श्वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल की जांच के मुजम्मिल भी प्रमुख संदिग्ध है, जिसकी गिरफ्तारी हो चुकी है।

डॉ मुजम्मिल शकील गनी के मोबाइल फोन से डंप किए गए डेटा को जो फिर से निकाला जा रहा है, उससे कुछ बड़े खुलासे हुए हैं। उसके मोबाइल के डंप डेटा से पता चला है कि इस साल (2025) जनवरी में उसने कई बार दिल्ली के लाल किला इलाके की रेकी की थी। बता दें कि ■ शेष पेज 2...

## जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी पर बड़ी कार्रवाई कुलगाम सहित चार जिलों में 200 से ज़्यादा ठिकानों पर छापे

**लद्दाख टुडे ब्यूरो**

**जम्मू।** जम्मू–कश्मीर के कुलगाम ज़िले में पुलिस ने बुधवार को प्रतिबंधित जमात–ए–इस्लामी के ख़िलाफ़ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। इस कार्रवाई में 200 से ज़्यादा ठिकानों पर छापे मारे गए और आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए गए। यह कार्रवाई दिल्ली विस्फोट और एक अंतर–राज्यीय सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद की गई है।



अधिकारियों ने बताया कि शोपियां, कुलगाम, बारामूला और गांदरबल जिलों में कई स्थानों पर छापे मारे गए। उन्होंने

## मेरी वापसी के लिए सहभागी लोकतंत्र अहम शर्त

### यूनुस भारत के साथ संबंधों को नुकसान पहुँचा रहे हैं : शेख हसीना



**कोलकाता।** बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि उनकी घर वापसी ष्सहभागी लोकतंत्रष की बहाली, अवामी लीग पर प्रतिबंध हटाने और स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों के संचालन पर निर्भर करती है।

भारत में एक अज्ञात स्थान से पीटीआई को दिए एक विशेष ईमेल साक्षात्कार में, हसीना ने अनिर्वाचित यूनुस प्रशासन पर ष्भारत के साथ संबंधों को खतरे में डालने और चरमपंथी ताकतों को सशक्त बनानेष का भी आरा.`प लगाया। अपनी विदेश नीति की तुलना वर्तमान अंतरिम सरकार से करते हुए, उन्होंने कहा ■ शेष पेज 2...

## धर्मेंद्र को अस्पताल से छुट्टी मिली, अब घर पर ही होगा इलाज

### हेमा मालिनी ने कहा-तबियत में हो रहा सुधार

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र को ब्रीच कैंडी अस्पताल में कई दिनों तक भर्ती रहने के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। अब उनका इलाज घर पर ही किया जाएगा, इसकी पुष्टि ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टर ने आज की। देओल परिवार, दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर ले आया है। 89 वर्षीय अभिनेता को ब्रीच कैंडी अस्पताल में चिकित्सा देखरेख के लिए भर्ती कराया गया था और 10 नवंबर



को उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया था।

उन्हें सुबह लगभग 7.30 बजे एम्बुलेंस में घर लाया गया। बॉबी देओल अपनी कार में एम्बुलेंस के पीछे–पीछे गए। अभिनेता को आज 12 नवंबर को ■ शेष पेज 2...

## मौसम

------ जम्मू ---------
अधिकतम – 34°C
न्यूनतम – 27°C
------- श्रीनगर -------
अधिकतम – 35°C
न्यूनतम – 19°C





यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस):
केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए एक गारंटीड पेंशन योजना।
59 वर्ष की आयु से पहले किसी भी समय यूपीएस से एनपीएस में एक बार वापसी की सुविधा उपलब्ध है।

एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) सुनिश्चित मासिक पेंशन योजना प्रदान करती है
सुनिश्चित भुगतान 50% पिछले 12 महीनों के औसत मूल वेतन का | न्यूनतम गारंटीड भुगतान ₹10,000 | महंगाई राहत
एकमुश्त भुगतान | निकासी कॉर्पस का 60% तक | आयकर लाभ जैसा कि एनपीएस में उपलब्ध

व्यक्तिगत रूप से आवेदन करने के लिए, फॉर्म डाउनलोड करें: https://www.npscra.nsdl.co.in/ups.php
तथा अपने डीडीओ को जमा करें अथवा ऑनलाइन आवेदन करने के लिए: npscra.nsdl.co.in/ups.php#RUSU
यूपीएस केलक्यूलेटर https://npstrust.org.in/ups-calculator
अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें UPS हेल्प डेस्क (टोल–फ्री):18005712930
NPS Trust | NPS Trust | NPS Trust | NPS Trust


Created by Universal Document Converter

# शेष पेज 1 से

## फेफड़े, कान और पेट...

मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट के दो दिन बाद, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विस्फोट के विनाशकारी प्रभाव के बारे में नए चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। बुधवार को जारी प्रारंभिक निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि पीड़ितों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें सिर में चोट और आंतरिक अंगों को नुकसान शामिल है। ज्यादातर चोट शरीर के ऊपरी हिस्से, सिर और छाती पर थीं, जिससे पता चलता है कि विस्फोट के कारण लोग दीवारों या जमीन पर गिर गए।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मौत के कारणों में गहरे घाव और अत्यधिक ब्लीडिंग शामिल है। पोस्टमॉर्टम के दौरान, पीड़ितों के शरीर या कपड़ों पर किसी भी छर्रे के निशान नहीं मिले। जांच करने वालों का कहना है कि इस्तेमाल किए गए विस्फोटक के सटीक प्रकार का पता फोरेंसिक जांच के बाद चलेगा। मृतकों के स्वैब के सैंपल आगे की जांच के लिए रोहिणी स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेजे गए हैं, क्योंकि शवों से धातु के टुकड़े और बाहरी कण बरामद किए गए हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि उमर की गाड़ी दिल्ली में प्रवेश करने से पहले मुंबई एक्सप्रेसवे और कुंडली–मानेसर–पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर देखी गई थी। जांच एजेंसियां अब कार की गति. विधियों का पता लगाने और यह पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही हैं कि क्या उसके साथ कोई और गाड़ी भी था। माना जा रहा है कि ब्लास्ट वाली कार के साथ लाल रंग की इको स्पोर्ट्स कार थी जिसकी तलाश की जा रही है।

## 26 जनवरी को होना ...

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर होने वाला परेड राष्ट्रपति भवन के पास विजय चौक से निकलकर लाल किले तक ही पहुंचता है। इस दौरान हर साल वीवीआई मूवमेंट की वजह से इलाके में जबरदस्त सुरक्षा होती है।

पुलिस को संदेह है कि दिल्ली धमाका के संदिग्धों का इस तरह से लाल किला इलाके की रेकी वाला अभियान गणतंत्र दिवस पर ऐतिहासिक इमारतों को निशाना बनाने की बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है। लेकिन, शायद उस दौरान अचूक सुरक्षा और भारी पेट्रोलिंग देखकर वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाए। एक बड़े पुलिस अफसर ने बताया है, डॉ मुजम्मिल के मोबाइल फोन से प्राप्त हुए डंप डेटा के विश्लेषण से मालूम हुआ है कि जनवरी के पहले हफ्ते में लाल किला इलाके में और उसके आसपास वह बार–बार पहुंचते रहे। उनके अनुसार श्इस तरह से वहां बार–बार जाना 26 जनवरी को योजना के तहत हमले से पहले विस्तृत पड़ताल का हिस्सा थे।

जांचकर्ताओं का कहना है कि डॉ मुजम्मिल, डॉ उमर नबी को साथ लेकर सुरक्षा इंतजाम और वहां भीड़ का पैटर्न देखने के लिए कई बार लाल किला गया। उनके इस मूवमेंट की पुष्टि इलाके के टावर लोकेशन डेटा और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज से भी की गई है। इस बात की छानबीन की जा रही है कि क्या अन्य संदिग्ध भी इसी तरह की गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे या वे गिरफ्तार संदिग्धों को लॉजिस्टिक सपोर्ट पहुंचाने में लगे थे। इसके साथ ही डंप डेटा से यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या धमाके से ठीक पहले डॉ उमर किसी और के साथ संपर्क में भी था।

सोमवार शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक धीरे–धीरे चल रही आई20 कार में हुए धमाके में 12 लोगों की जान चली गई और कई जख्मी हो गए। इस केस को आगे की जांच के लिए नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को सौंपा गया है।

## प्रधानमंत्री मोदी की ...

पेशेवर तरीके से की जाए ताकि अपराधियों, उनके सहयोगियों और उनके प्रायोजकों की पहचान की जा सके और उन्हें बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाया जा सके। सरकार के उच्चतम स्तर पर स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। मंत्रिमंडल राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के प्रति अपनी स्थायी प्रतिबद्धता के अनुरूप, सभी भारतीयों के जीवन और कल्याण की रक्षा के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प की पुष्टि करता है।

## आतंकवाद ने तीन ...

ने कहा, 2021 और 2025 के बीच शैक्षणिक कार्यक्रमों की संख्या 41 से बढ़कर 90 हो गई है, जो एआई, रोबोटिक्स, डिज़ाइन योर ओन डिग्री, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान, अप्रेंटिसशिप आधारित यूजी स्तर के कौशल पाठ्यक्रम जैसे अंत:विषय और अत्याधुनिक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। विभिन्न विषयों में आवेदन 2021 में 3,000 से बढ़कर 2025 में 7,600 हो गए हैं, जिसमें जम्मू–कश्मीर और उसके बाहर से विविधता बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि 2021 से पहले, अनुसंधान के लिए आईयूएसटी का बाहरी वित्तपोषण केवल 2 करोड़ रुपये वार्षिक था। 4 वर्षों में, अनुसंधान के लिए 69 करोड़ रुपये से अधिक का बाहरी वित्तपोषण प्राप्त हुआ। उन्होंने आगे कहा, 2021 में एक शून्य स्टार्ट–अप से, विश्वविद्यालय पिछले चार वर्षों में 93 स्टार्ट–अप को इनक्यूबेट करने, 225 से अधिक इनक्यूबेटी की मेजबानी करने और नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और आईटी में पुरस्कार विजेता नवाचारों को पोषित करने तक बढ़ गया है।

32 पेटेंट प्रदान किए गए, 77 पेटेंट प्रकाशित हुए, 33 और दायर किए गए; इसके अतिरिक्त, दो संकाय अपने क्षेत्र में शीर्ष भारतीय वैज्ञानिकों में शुमार हुए। यह आईयूएसटी के लिए गर्व की बात है। उपराज्यपाल ने आईयूएसटी को कम लागत वाले ऊर्जा प्रतिरोधी घरों के विकास में अनुसंधान नवाचार के निर्देश दिए। उन्होंने विश्व. विद्यालय से सड़क और भवन निर्माण सामग्री के प्रभावी पुन: उपयोग और अधिक टिकाऊ सड़कों के लिए कोल्ड–मिक्स तकनीक को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी विचार करने को कहा। उन्होंने कहा कि आईयूएसटी को पारंपरिक सिग्नल टावरों पर निर्भर हुए बिना दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुँचने के लिए संचार प्रौद्योगिकी के लिए नवीन समाधान भी प्रदान करने चाहिए।

उपराज्यपाल ने कहा कि आतंकवाद तीन दशकों से अधिक समय से जम्मू–कश्मीर के युवाओं का सबसे बड़ा दुश्मन रहा है और इसने उनके सपनों और आकांक्षाओं को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब हमारे युवा और युवा पेशेवर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं और अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त कर रहे हैं। "हालाँकि, हमारा पड़ोसी देश और यहाँ बैठे उनके कुछ आतंकवादी तत्व इस प्रगति को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें ऐसे माहौल के प्रति सतर्क रहना चाहिए और उनके प्रयासों को विफल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। जम्मू–कश्मीर ने अपनी नई नियति, नई पहचान और नए सपने गढ़े हैं। इसे हर कीमत पर संरक्षित किया जाना चाहिए और हमारे युवाओं के सपनों को चकनाचूर करने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए," उपराज्यपाल ने कहा।

शांतमनु, अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग; प्रो. शकील ए. रोमशू, कुलपति, आईयूएसटी; प्रो. नीलोफर खान, कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय; प्रो. एम. अशरफ गनी, निदेशक एसकेआईएमएस; प्रो. ए.एच. मून, डीन अकादमिक मामले; प्रो. अब्दुल वाहिद, रजिस्ट्रार, आईयूएसटी; वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे।

## पुलिस ने यूएपीए के ...

किया गया था। कथित तौर पर मुस्लिम लीग के फ़िरोज़ अहमद खान सहित अलगाववादी नेताओं द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आसिया अंद्राबी, शब्बीर अहमद नज़र और मियां अब्दुल कयूम सहित कई प्रतिभागियों ने भाषण दिए।

पुलिस ने कहा कि सेमिनार के दौरान दिए गए भाषण भारत विरोधी प्रकृति के थे, जिनमें जम्मू–कश्मीर के अलगाव की वकालत की गई और इस्लामी कानून की स्थापना का आह्वान किया गया। जाँच के दौरान दर्ज किए गए गवाहों के बयानों से पुष्टि हुई कि प्रतिभागियों ने भड़काऊ नारे लगाए और श्रोताओं को भारत की अखंडता के विरुद्ध भड़काया।

बाद में अदालत के आदेश पर श्रीनगर के बरजुल्ला स्थित कयूम के आवास की तलाशी ली गई, जिसमें आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। ज़ब्त की गई वस्तुओं में प्रतिबंधित साहित्य, प्रतिबंधित हिज़्बुल मुजाहिदीन का एक खाली लेटरहेड, अंग्रेजी और उर्दू दोनों में संगठन की मुहरों की छाप, और कथित तौर पर हिज़्बुल प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन द्वारा तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को लिखा गया एक पत्र शामिल था।

एकत्र किए गए साक्ष्यों के आधार पर, जाँचकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि अभियुक्त ने अपने आवासीय परिसर, जिसमें एक दो मंजिला मकान और 2 कनाल, 1 मरला और 90 वर्ग फुट ज़मीन शामिल है, का इस्तेमाल आपत्तिजनक सामग्री छिपाने और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया। पुलिस ने कहा कि कयूम के नाम पर म्यूटेशन संख्या 338 के तहत पंजीकृत संपत्ति, यूएपीए की धारा 2(जी) के तहत परिभाषित आतंकवाद से प्राप्त आय के दायरे में आती है।

अधिनियम की धारा 25 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पुलिस महानिदेशक ने बुलबुल बाग, बरजुल्ला, श्रीनगर स्थित उक्त संपत्ति की कुर्की की मंजूरी दे दी।

## काउंटर इंटेलिजेंस ने ...

थीं। यह तलाशी एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की उपस्थिति में दोपहर 03 बजे से शाम 05 बजे के बीच सभी 14 बैरकों (03 ब्लॉक), सामान्य क्षेत्रों (रसोई, स्नानघर) और स्टाफ जोन में की गई। इस अभियान में कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। किसी भी क्षेत्र से कोई प्रतिबंधित वस्तु, मोबाइल संचार उपकरण, नशीले पदार्थ, चरमपंथी साहित्य या अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद नहीं हुए। जबकि पहचानी गई सुरक्षा कमजोरियाँ में कई गंभीर सुरक्षा खामियाँ पाई गईं, जिनमें मुख्य सड़क के पास चारदीवारी की कम ऊँचाई, आगंतुकों की तलाशी के ढीले नियम, कैदियों का अत्यधिक सामान और परिसर के कुछ क्षेत्रों में मोबा. इल जैमर का आंशिक रूप से अप्रभावी होना शामिल है।

यह देखा गया है कि कैदियों को साप्ताहिक रूप से भारी मात्रा में सिगरेट/बीड़ी/माचिस मिलती है। चूँकि माचिस ज्वलनशील पदार्थों से बनी होती है, इसलिए किसी भी कैदी द्वारा शरारत करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। वहीं अधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी गई।

## जम्मू–कश्मीर में प्रतिबंधित ...

बताया कि जेईआई सदस्यों और उनके साथियों के आवासों और परिसरों पर छापे मारे गए तथा तलाशी ली गई। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई जमीनी स्तर पर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है। अभियान अभी जारी है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

पिछले चार दिनों में, 500 से ज़्यादा लोगों से पूछताछ की गई है, जिनमें से कई को हिरासत में लिया गया है और ज़िले में सुरक्षाकर्मियों द्वारा 400 घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए हैं। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुलगाम पुलिस ने प्रतिबंधित जमात–ए–इस्लामी के खिलाफ़ एक बड़ी कार्रवाई शुरू की है, जिसके शीर्ष नेता 2019 के केंद्र सरकार के प्रतिबंध के बाद कश्मीर के भीतर और बाहर जेलों में बंद थे।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि ज़मीनी स्तर पर आतंकवादी तंत्र और उसके समर्थन ढाँचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों के तहत जमात सदस्यों और उनके सहयोगियों के घरों और परिसरों पर छापे मारे गए। उन्होंने कहा, छापेमारी के दौरान, आपत्तिजनक सामग्री और डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए गए, और कई जमात–ए–इस्लामी सदस्यों से पूछताछ की गई और आतंकवाद को सहायता देने वाले नेटवर्क का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया।

कुलगाम ज़िले में पुलिस ने पिछले चार दिनों में सैकड़ों आतंकवाद–रोधी अभियान चलाए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, षपिछले चार दिनों में, ज़िले के विभिन्न इलाकों में 400 से ज़्यादा घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए। ये कासो ओजीडब्ल्यू, जेकेएनआ. `पीएस के परिसरों, पूर्व में मुठभेड़ों वाले स्थानों और सक्रिय और मारे गए आतंकवादियों के ठिकानों पर चलाए गए।

इन अभियानों के दौरान, जेकेएनओपी और अन्य प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े लगभग 500 लोगों से पूछताछ की गई और उनमें से कई को निवारक कानूनों के तहत जिला जेल मट्टन, अनंतनाग में स्थानांतरित कर दिया गया है। पड़ोसी शोपियां में भी जमात–ए–इस्लामी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर इसी तरह के छापे मारे गए। दिल्ली विस्फोट के बाद पूरे जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, वाहनों की जाँच तेज़ कर दी गई है और अचानक सीएएसओ (कासो) अभियान चलाया जा रहा है।

## मेरी वापसी के लिए ...

कि ढाका और नई दिल्ली के बीच व्यापक और गहरे संबंधों को यूनुस के अंतराल की मूर्खता का सामना करने में सक्षम होना चाहिए।

हसीना ने उन्हें शरण देने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि वह भारत सरकार और उसके लोगों के उनके उदार आतिथ्य के लिए अत्यंत आभारी हैं। उन्होंने कहा, बांग्लादेश लौटने के लिए मेरी सबसे ज़रूरी शर्त वही है जो बांग्लादेशी जनता चाहती हैरू सहभागी लोकतंत्र की वापसी। अंतरिम प्रशासन को अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध हटाना होगा और स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने होंगे।

बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं हसीना ने कई हफ़्तों तक चले हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद 5 अगस्त, 2024 को देश छोड़ दिया। बड़े पैमाने पर हुए इस आंदोलन के कारण उन्हें इस्तीफ़ा देना पड़ा और अंतत: भारत जाना पड़ा, जिससे यूनुस के नेतृत्व वाले अंतरिम प्रशासन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी सरकार ने विरोध प्रदर्शनों को ठीक से नहीं संभाला, 78 वर्षीय नेता ने कहा, ज़ाहिर है, हमने स्थिति पर नियंत्रण खो दिया और यह अफ़सोसजनक है। इन भयानक घटनाओं से कई सबक सीखे जा सकते हैं, लेकिन मेरे विचार से, कुछ ज़िम्मेदारी उन तथाकथित छात्र नेताओं (वास्तव में अनुभवी राजनीतिक उग्रवादी) की भी है जिन्होंने भीड़ को उकसाया। हसीना ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने अगले साल फरवरी में होने वाले चुनावों का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अवामी लीग को छोड़कर कोई भी चुनाव वैध नहीं होगा।

उन्होंने कहा, करोड़ों लोग हमारा समर्थन करते हैं... यह हमारे देश के लिए एक बहुत बड़ा अवसर गँवाना होगा, जिसे जनता की सच्ची सहमति से शासन करने वाली सरकार की सख़्त ज़रूरत है। मुझे उम्मीद है कि यह मूर्खतापूर्ण प्रतिबंध हटा लिया जाएगा.. . चाहे सरकार में हो या विपक्ष में, अवामी लीग को बांग्लादेश में राजनीतिक बातचीत का हिस्सा होना चाहिए।

## धर्मेंद्र को अस्पताल से ...

सुबह 7.00 बजे अस्पताल के बाहर देखा गया।

गौरतलब है कि मंगलवार को धर्मेंद्र की झूठी मौत की खबर वायरल होने के बाद, उनकी बेटी ईशा देओल और पत्नी हेमा मालिनी ने यह खबर दी कि दिग्गज अभिनेता ठीक हैं और उनकी हालत में भी सुधार हो रहा है।

जो हो रहा है वह अक्षम्य है! हेमा मालिनी की एक्स पोस्ट में लिखा है, ज़िम्मेदार चैनल किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबर कैसे फैला सकते हैं जो इलाज का असर दिखा रहा है और ठीक हो रहा है? यह बेहद अपमानजनक और गैरज़िम्मेदाराना है। कृ पया परिवार और उनकी निजता की ज़रूरत का पूरा सम्मान करें।

दिग्गज अभिनेता को इसी हफ़्ते की शुरुआत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और हेमा मालिनी ने प्रशंसकों से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करने का आग्रह भी किया था। बाद में, धर्मेंद्र के बड़े बेटे सनी देओल ने भी खुलासा किया था कि उनके पिता की हालत स्थिर है और आईसीयू में भर्ती होने के बाद उन पर इलाज का असर भी हो रहा है।

ब्रीच कैंडी अस्पताल में कई दिनों तक भर्ती रहने के बाद, बॉलीवुड के ही–मैन को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। ईशा, सनी और बॉबी देओल सहित देओल परिवार के सदस्य नियमित रूप से उनसे मिलने आते रहे हैं। इस बीच, सलमान खान से लेकर शाहरुख खान और आमिर खान जैसे सुपरस्टार भी दिग्गज अभिनेता का हालचाल जानने ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुँचे।

## HELPLINE

| | |
|---|---|
| **POLICE STATIONS** | |
| Bagh-e-Bahu | 2459777 |
| Bakshi Nagar | 2580102 |
| Bus Stand | 2575151 |
| City | 2543688 |
| Gandhi Nagar | 2430528 |
| Gangyal | 2482019 |
| Nowbad | 2571332 |
| Pacca Danga | 2548610 |
| Railway Station | 2472870 |
| Sainik Colony | 2462212 |
| Satwari | 2430364 |
| Channi Himmat | 2465164 |
| Transport Nagar | 2475444 |
| Trikuta Nagar | 2475133 |
| Gandhi Nagar | 2459660 |
| SSP City | 2561578 |
| SP City North | 2547038 |
| SP South | 2433778 |
| ***Public Utility Services*** | |
| **INDIAN AIR LINES** | |
| City Office | 2542735 |
| Air Port | 2430449 |
| Jet Air Ways | 2453999 |
| City Office | 2573399 |
| **RAILWAYS** | |
| Railway Enquiry | 131, 132, 2476407 |
| Booking | 2470318 |
| Reservation | 2470315 |
| ***Public Health Engineering Stations*** | |
| Bakshi Nagar | 2543557 |
| Gandhi Nagar | 2430786 |
| Company Bagh | 2542582 |
| New Plot | 2573429 |
| Panjtirthi | 2547537 |
| ***Telecommunication Department*** | |
| Directory Enquiry | 197 |
| Fault Repair | 198 |
| Trunk Booking | 180 |
| Billing Complaint | 2543896 |
| **JAMMU MUNICIPALITY** | |
| Jn. Lines | 2578503 |
| Administration Officer | 2542192 |
| Health Officer | 2547440 |
| **POSTAL SERVICES** | |
| Head Post Office City | 2543606 |
| Gandhi Nagar | 2435863 |
| **FIRE SERVICES** | |
| Control Room | 101,132, 2476407 |
| City | 2544263 |
| Gandhi Nagar | 2457705 |
| Canal | 2554064 |
| Gangyal | 2480026 |
| **COOKING GAS DEALERS** | |
| Chenab Gas | 2547633 |
| Gulmour Gas | 2430835 |
| JAKFED | 2548297 |
| HP Gas | 2578456 |
| Shivangi Gas | 2577020 |
| Tawi Gas | 2548455 |
| **POWER HOUSES** | |
| Gandhi Nagar | 2430180 |
| Canal Road | 2554147 |
| Janipur | 2533828 |
| Nanak Nagar | 2430776 |
| Parade | 2542289 |
| Satwari Cantt. | 2452813 |
| **HOSPITALS** | |
| GMC Hospital | 2584290 |
| S.M.G.S. Hospital | 2547635 |
| C.D. Hospital | 2577064 |
| Dental Hospital | 2544670 |
| Gandhi Nagar Hospital | 2430041 |
| Sarwal Hospital | 2579402 |
| G.B. Pant Cantt. Hospital | 2433500 |
| Ayurvedic College | 2543661 |
| C.R.P. Hospital | 2591105 |
| Acharya Shri Chander | 2662536 |
| Mental Hospital | 2577444 |
| Swami Vivekanand | 2547418 |
| Blood Bank | 2547637 |
| Ambulances | 2584225, 2575364 |
| Ambulances (Red Cross) | 2543739 |
| **NURSING HOMES** | |
| Maddan Hospital | 2456727 |
| Medicare | 2435070 |
| Triveni Nursing Home | 2452664 |
| Suvidha Nursing Home | 2555965 |
| Al. Firdous Nursing Home | 2545050 |
| Astha Nursing Home | 2576707 |
| Bee Enn Charitable Trust | 2505310 |
| Chopra Nursing Home | 2573580 |
| Harbans Singh Mem Hsp. | 2541952 |
| Jeevan Jyoti | 2576985 |
| Yudhvir Nursing Home | 2547821 |
| Mediaid Nursing Home | 2466744 |
| Sita Nursing Home | 2435007 |
| Vibhuti Nursing Home | 2547969 |
| Rameshwar Nursing Home | 2580601 |
| Bee Enn Cheritable | 2555631 |
| Maharishi Dayanand | 2545225 |

Created by Universal Document Converter

# भारत दुनिया में ऊर्जा मांग वृद्धि का सबसे बड़ा स्रोतः अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी

**नई दिल्ली:** अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की बुधवार को जारी विश्व ऊर्जा परिदृश्य रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती आर्थिक गतिविधियों ने भारत को दुनिया में ऊर्जा मांग वृद्धि का सबसे बड़ा स्रोत बना दिया है और अनुमान है कि 2035 तक यह चीन और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की संयुक्त ऊर्जा मांग के बराबर हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थापित उत्पादन क्षमता में गैर–जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी, जो पहले से ही 50 प्रतिशत है, 2030 में बढ़कर 60 प्रतिशत और 2035 में 70 प्रतिशत हो जाने की उम्मीद है। वर्तमान नीतियों के आधार पर, तब तक क्षमता वृद्धि में यह 95 प्रतिशत से अधिक का योगदान देगा। गैर–जीवाश्म स्रोत 2035 तक भारत के आधे से अधिक बिजली उत्पादन में योगदान देंगे, जबकि तेल की मांग में वृद्धि में भी इनका सबसे बड़ा योगदान है। भारत बिजली उत्पादन और कोयले की मांग वृद्धि में दूसरे सबसे बड़े देश के रूप में और प्राकृतिक गैस की मांग वृद्धि में तीसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभर रहा है।

आईईए ने उल्लेख किया कि 2010 और 2024 के बीच प्रमुख देशों और क्षेत्रों में भारत की जीडीपी वृद्धि दर चीन के बाद दूसरे स्थान पर रही। इसमें यह भी कहा गया कि भारत की जीडीपी औसतन 6.1 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है, जो किसी भी अन्य प्रमुख देश या क्षेत्र से अधिक है। आईईए ने अनुमान लगाया है कि 2035 में प्रति व्यक्ति जीडीपी आज की तुलना में 75 प्रतिशत अधिक होगी।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (सीओपी30) के साथ जारी की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपनी शहरी आबादी में सालाना एक बेंगलुरु के बराबर की वृद्धि कर रहा है और इसके निर्मित क्षेत्रफल में 40 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। इसमें कहा गया है कि भारत अपनी सड़कों पर प्रतिदिन लगभग 12,000 कारें जोड़ता है और अगले दशक में अपने घरों में 25 करोड़ से अधिक एयर कंडीशनर लगाने का अनुमान है।

2022 में, भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लिए 2030 तक बिजली उत्पादन मिश्रण में गैर–जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के लक्ष्य की घोषणा की। इसने ग्रिड–कनेक्टेड क्षमता के इस लक्ष्य को निर्धारित समय से पाँच साल पहले, 2025 में ही पूरा कर लिया।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने कहा कि यह सफलता नवीकरणीय ऊर्जा में बढ़ते निवेश के कारण है। "2015 में, भारत में जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन स्रोतों में निवेश किए गए प्रत्येक डॉलर का लगभग 1:1 अनुपात गैर–जीवाश्म स्रोतों में निवेश किए गए प्रत्येक डॉलर के बराबर था। 2025 तक, यह अनुपात गैर–जीवाश्म स्रोतों के पक्ष में 1:4 हो गया।"

... इसमें अनुमान लगाया गया है कि स्थापित उत्पादन क्षमता में गैर–जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 2030 में 60 प्रतिशत और 2035 में 70 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। 2015–2024 की अवधि में, कोयला और प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता में 70 प्रतिशत से अधिक होगी।

आईईए ने अनुमान लगाया है कि उद्योग–आधारित कोयले की मांग 2035 तक मामूली रूप से बढ़ेगी और बिजली उत्पादन मिश्रण में एक मुख्य आधार बन जाएगी, जिससे मूल्यवान डिस्पैचेबल उत्पादन और लचीलापन मिलेगा। सौर पीवी और पवन ऊर्जा उत्पादन की हिस्सेदारी 2025 में 11 प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 25 प्रतिशत से अधिक और 2035 तक लगभग 40 प्रतिशत होने की उम्मीद थी।

गैर–जीवाश्म स्रोतों से 2035 तक बिजली उत्पादन में आधे से अधिक का योगदान होने की संभावना है, जिससे इसकी कार्बन तीव्रता लगभग 45 प्रतिशतघटकर लगभग 400 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड प्रति किलोवाट–घंटा हो जाएगी। इससे बिजली उत्पादन की कार्बन तीव्रता के वैश्विक औसत स्तर के साथ भारत के अंतर को कम करने की उम्मीद थी। आईईए ने कहा कि अन्य लाभों में सूक्ष्म कण और सल्फर डाइऑक्साइड जैसे प्रमुख वायु प्रदूषकों के उत्सर्जन में उल्लेखनीय गिरावट शामिल है।

आईईए ने कहा कि बिजली उत्पादन में परिवर्तनीय नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी चुनौतियों और अवसरों दोनों को लेकर आती है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए भंडारण और पारेषण में निवेश की आवश्यकता भी शामिल है।

2030 तक इस प्रणाली में 230 गीगावाट–घंटे से ज़्यादा बैटरी स्टोरेज जोड़े जाने की संभावना है क्योंकि सरकार नई स्टोरेज क्षमता के लिए निविदा प्रक्रिया में है।

आईईए ने कहा कि देश समग्र रूप से ऊर्जा सुरक्षा के गंभीर ख़तरों और ईंधन व तकनीकों की अभूतपूर्व श्रृंखला में बढ़ते दीर्घकालिक जोखिमों से जूझ रहे हैं, जिससे ऊर्जा भू–राजनीतिक तनावों के केंद्र में आ गई है और इसे आर्थिक व राष्ट्रीय सुरक्षा के एक प्रमुख मुद्दे के रूप में उभारा जा रहा है।

"विशेष रूप से, उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह – जिसका नेतृत्व भारत और दक्षिण पूर्व एशिया कर रहे हैं और जिसमें मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देश शामिल हैं – आने वाले वर्षों में ऊर्जा बाज़ार की गतिशीलता को तेज़ी से आकार देने वाला है। सामूहिक रूप से, वे चीन से नेतृत्व ग्रहण करते हैं, जिसने 2010 से वैश्विक तेल और गैस मांग वृद्धि का आधा और बिजली मांग वृद्धि का 60 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया है, हालाँकि कोई भी देश या देशों का समूह चीन के ऊर्जा–गहन उदय की बराबरी नहीं कर सकता," रिपोर्ट में कहा गया है।

इसमें कहा गया है कि तेल और गैस आपूर्ति की सुरक्षा को प्रभावित करने वाले पारंपरिक ऊर्जा जोखिमों के साथ अब अन्य प्रमुख चिंताएँ भी जुड़ी हैं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिज, जो बाज़ार में उच्च्य स्तर के संकेंद्रण के कारण हैं।

"एक ही देश 20 ऊर्जा–संबंधी रणनीतिक खनिजों में से 19 का प्रमुख रिफाइनर है, जिसकी औसत बाज़ार हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। विच. ाराधीन खनिज पावर ग्रिड, बैटरी और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे एआई चिप्स, जेट इंजन, रक्षा प्रणालियों और अन्य रणनीतिक उद्योगों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"

आईईए ने कहा कि 2020 के बाद से लगभग सभी प्रमुख ऊर्जा खनिजों, और विशेष रूप से निकल और कोबाल्ट, के लिए रिफाइनिंग में भौगोलिक संकेंद्रण बढ़ा है। "इस वर्ष के विश्व ऊर्जा संगठन (WEO) में घोषित परियोजनाओं की पाइपलाइन के विश्लेषण से पता चलता है कि इस प्रक्रिया को उलटना धीमा होगा, जिसके लिए सरकारों द्वारा सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।"

# सीएम सिद्धारमैया ने दिल्ली विस्फोट की जाँच की माँग की; मंत्रियों ने सुरक्षा में चूक का आरोप लगाया, शाह के इस्तीफ़े की माँग की



**नई दिल्ली:** मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को दिल्ली के लाल किले के पास सोमवार को हुए बम विस्फोट की गहन जाँच की माँग की। उन्होंने विस्फोट के समय को, जो बिहार चुनाव के साथ मेल खाता है, बेहद चिंताजनक बताया।

मैसूर में ज़िला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद सिद्धारमैया ने कहा, "चुनावों के दौरान बम विस्फोट क्यों होते हैं? केंद्र को इसकी जाँच करनी चाहिए और इस सवाल का जवाब देना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि ऐसी घटनाएँ सुरक्षा तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

मुख्यमंत्री ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, "मेरी संवेदनाएँ बम विस्फोट के पीड़ितों के साथ हैं। सच्चाई सामने लाने और यह जाँचने के लिए जाँच होनी चाहिए कि कहीं सुरक्षा में कोई चूक तो नहीं हुई।"

इस बीच, राज्य के मंत्री प्रियांक खड़गे और एमबी पाटिल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कड़ी आलोचना की और उन्हें विस्फोट के लिए सुरक्षा चूक के लिए ज़िम्मेदार ठहराया।

शाह को "स्वतंत्र भारत का सबसे अक्षम गृह मंत्री" बताते हुए खड़गे ने उनके इस्तीफ़े की माँग की। "किसी और राज्य या देश में, उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया जाता। लेकिन वह अपरिहार्य हैं क्योंकि वह श्री मोदी के सभी राज़ साझा करते हैं," खड़गे ने शाह के कार्यकाल में बार–बार सुरक्षा चूक का आरोप लगाते हुए कहा, जिसमें पुलवामा हमला और मणिपुर में चल रहा संकट भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, "सीमाओं की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी किसकी है, श्री गांधी की या श्री खड़गे की? गृह मंत्री होने के नाते यह उनका कर्तव्य है।"

इस बीच, पाटिल ने दिल्ली विस्फोट को "एक जघन्य कृत्य" बताया और कहा कि गृह मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा, "जब यहाँ रामेश्वरम कैफ़े विस्फोट हुआ, तो इस्तीफ़े मांगे गए और जवाबदेही तय की गई। अब, उन्हें भी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए। गृह मंत्री को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए।"

पाटिल ने आगे कहा कि चाहे यह घटना आतंकवादी हमला हो या रासायनिक विस्फोट, इसने "सुरक्षा की स्पष्ट विफलता" को उजागर किया है, खासकर यह देखते हुए कि यह एक उच्च्य सुरक्षा वाले क्षेत्र से निकटता में है। उन्होंने ज़ोर दिया कि पीड़ितों और उनके परिवारों की सहायता पर तत्काल ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए विस्फोट के बाद, अधिकारियों ने बेंगलुरु सहित कई शहरों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने भी मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा, "दिल्ली में लाल किले के पास हुए दुखद विस्फोट से गहरा दुख हुआ है, जिसमें कई अनमोल जानें चली गईं। इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।"

विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों और दिल्ली विस्फोट के बीच संभावित संबंधों का आरोप लगाया और मांग की कि राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) इस बात की जाँच करे कि क्या बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा जेल में कैदियों का अपराधियों से कोई संबंध था।

# पतंजलि को 72 घंटे में अपना च्यवनप्राश विज्ञापन हटाने का निर्देश

**नई दिल्ली:** दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि व्यावसायिक अभिव्यक्ति का मौलिक अधिकार झूठ फैलाने या किसी प्रतिस्पर्धी को बदनाम करने, अपमानित करने या बदनाम करने का लाइसेंस देने को शामिल नहीं करता। न्यायालय ने पतंजलि आयुर्वेद को 72 घंटे के भीतर अपने च्यवनप्राश विज्ञापन को हटाने का निर्देश दिया, जिसमें प्रतिद्वंद्वी उत्पादों को "धोखा" बताया गया था।

न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि कोई भी विज्ञापन उसी क्षण संवैधानिक संरक्षण खो देता है जब वह झूठा, भ्रामक, अनुचित या भ्रामक हो जाता है। पीठ ने आगे कहा कि पतंजलि के च्यवनप्राश विज्ञापन ने यह संदेश देकर इस सीमा को पार कर लिया कि अन्य सभी निर्माता उपभोक्ताओं को धोखा दे रहे हैं।

37 पृष्ठों के आदेश में कहा गया है कि सभी प्रतिस्पर्धी च्यवनप्राश उत्पादों को "धोखा" कहना व्यावसायिक अपमान के समान है। अदालत ने मंगलवार को जारी अपने आद. ेश में कहा, "आलोचना किए गए विज्ञापन के अवलोकन से पता चलता है कि प्रतिवादी (पतंजलि) ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि च्यवनप्राश के सभी निर्माता अपने ग्राहकों को धोखा दे रहे हैं।" "यदि कोई विज्ञापन अनुमेय सीमा को पार कर जाता है और झूठा, भ्रामक, अनुचित या भ्रामक हो जाता है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) द्वारा प्रदत्त सुरक्षा प्राप्त नहीं रहती।"

अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता झूठ फैलाने या किसी प्रतिस्पर्धी को बदनाम करने, अपमानित करने या अपमानित करने का अधिकार नहीं देती है। "संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत संरक्षित सभी स्वतंत्रताओं की तरह, वाणिज्यिक अभिव्यक्ति का अधिकार भी संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत उचित प्रतिबंधों के अधीन है।"

अदालत ने उपभोक्ता वस्तु कंपनी डाबर की पतंजलि विज्ञापन के प्रसारण पर तत्काल रोक लगाने की याचिका पर फैसला सुनाया, जिसमें तर्क दिया गया कि यह "स्वयं में मानहानिक. ारक और अपमानजनक" है क्योंकि इसमें अन्य सभी निर्माताओं को नकारात्मक रूप में चित्रित किया गया है और च्यवनप्राश को, एक वस्तु वर्ग के रूप में, दोषपूर्ण बताया गया है।

## पुणे के एक इंजीनियर को 'आतंकवादी' संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया गयाः एटीएस ने ठाणे के शिक्षक से पूछताछ की

**मुंबई:** महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने पुणे के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की अल–कायदा और अन्य प्रति. बंधित संगठनों से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तारी के सिलसिले में ठाणे के एक शिक्षक से पूछताछ की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार इंजीनियर जुबैर हंगरगेकर ने ठाणे जिले के मुंब्रा स्थित शिक्षक के घर का इस्तेमाल एक बैठक के लिए किया था।

एटीएस ने 27 अक्टूबर को हंगरगेकर को अल–कायदा और भारतीय उपमहाद्वीप में अल–कायदा जैसे प्रतिबंधित संगठनों से कथित संबंधों और कट्टरपंथी गतिविधियों में उसकी संदिग्ध संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया था। जाँच के दौरान, एटीएस को उसके पुराने फोन में एक पाकिस्तानी संपर्क नंबर सेव मिला था।

आगे की जाँच के दौरान, एटीएस को पता चला कि हंगरगेकर अपनी एक बैठक के लिए मुंब्रा गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि इसके बाद, एटीएस के अधिकारी मंगलवार को शिक्षक के घर गए और हंगरगेकर और उनकी बैठक के बारे में पूछताछ की।

उन्होंने कहा कि शिक्षक इस मामले में न तो आरोपी है और न ही गवाह।

एटीएस ने इस महीने की शुरुआत में पुणे की एक अदालत को बताया था कि हंगरगेकर कथित तौर पर शहर के कोंढवा इलाके में "आक्रामक तरीके से" धार्मिक प्रवचन देते थे।

एटीएस ने बताया था कि वहाँ एक घर की तलाशी के दौरान, एटीएस ने 'भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा और उसके सभी स्वरूप' शीर्षक वाली हटाई गई पीडीएफ फाइलों वाले मोबा. इल फोन जब्त किए थे। उन्होंने ईद–उल–फितर पर अल–कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन द्वारा दिए गए भाषण का उर्दू अनुवाद भी बरामद किया। इसके अलावा, 'इंस्पायर' नामक एक पत्रिका मिली, जिसमें ओएसजी गन स्कूल में एके–47 प्रशिक्षण की तस्वीरें और ओएसजी बम स्कूल से एसीटोन पेरोक्साइड का उपयोग करके आईईडी बनाने की प्रक्रिया का विवरण देने वाले दस्तावेज थे, अदालत को बताया। एटीएस ने यह भी कहा था कि तलाशी के दौरान, एक व्यक्ति के पास से हंगरगेकर का एक पुराना फोन बरामद हुआ था।

इसमें कहा गया है, "फोन की संपर्क सूची के विश्लेषण के दौरान पांच अंतर्राष्ट्रीय फोन नंबर सेव पाए गए, जिनमें एक पाकिस्तान का, दो सऊदी अरब के, तथा एक–एक कुवैत और ओमान का नंबर शामिल है।"

# सुरक्षित सड़क नियम तो लागू हैं, लेकिन उनका पालन और धन की कमी है

**नई दिल्ली:** भारत में पैदल चलने वालों की मौतें चिंता. जनक हैं। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि ऐसी मौतों की वार्षिक संख्या 2019 में 25,858 से बढ़कर 2023 में 35,221 हो गई है। इसका मतलब है कि इन दुर्घटनाओं के कारण भारतीय सड़कों पर हर दिन 96 पैदल यात्री मारे जाते हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वालों की इस उच्च्य मृत्यु दर को देखते हुए दृ जहाँ हर पाँच में से एक दुर्घटना पीड़ित पैदल यात्री होता है दृ सर्वोच्च्य न्यायालय ने 7 अक्टूबर को 2012 की एक जनहित याचिका (च्प्स्) पर 35–सूत्रीय आदेश जारी किया, जिसमें सुरक्षित सड़क डिज़ाइन और उनके पालन की माँग की गई थी।

शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 138(1)(ब) के तहत भारतीय सड़क कांग्रेस (प्त्ब्) के मानकों का अनुपालन पहले से ही अनिवार्य है, और सभी एजेंसियों को आगाह किया कि इनका पालन न करने पर धारा 198। के तहत 1 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसने स्पष्ट समय–सीमाएँ भी निर्धारित कीं, और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को गैर–राजमार्ग सड़कों पर पैदल यात्रियों की पहुँच और डिज़ाइन मानकों को विनियमित करने के लिए अधि. नियम की धारा 138(1ए) और 210डी के तहत नियम बनाने और अधिसूचित करने का निर्देश दिया।

1934 में स्थापित, आईआरसी राजमार्ग इंजीनियरों के लिए देश के शीर्ष तकनीकी मंच के रूप में कार्य करता है। आईआरसी ने 150 से अधिक संहिताएँ और नियमावलियाँ प्रकाशित की हैं, जो मिलकर देश भर में सड़क नियोजन, डिज़ाइन और रखरखाव का आधार बनती हैं। इनमें प्रमुख हैं ग्रामीण सड़कों के ज्यामितीय डिज़ाइन के लिए आईआरसी:73, राजमार्ग जल



निकासी के लिए आईआरसी:86, पैदल यात्री सुविधाओं के लिए आईआरसी:103 और साइकिल ट्रैक के लिए आईआरसी:11।

फिर भी, जब तक 2022 में मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन द्वारा अनुपालन अनिवार्य नहीं कर दिया गया, तब तक केवल राष्ट्रीय राजमार्गों को ही इन मानदंडों का पालन करना था। सिद्धांत रूप में, सभी नई या उन्नत सड़कों को अब आईआरसी संहि. हताओं का पालन करना चाहिए; व्यवहार में, कार्यान्वयन अभी भी अपूर्ण है।

वर्तमान में, केवल ओडिशा और महाराष्ट्र ने ही ऐसे मसौदा नियम तैयार किए हैं जो कानून के अनुरूप हैं। आईआईटी दिल्ली के परिवहन अनुसंधान एवं चोट निवारण केंद्र द्वारा किए गए ऑडिट में प्रत्येक राज्य के चार शहरों में फुटपाथों की उपलब्धता के चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र में फुटपाथों की उपलब्धता 56 प्रतिशत थी, जबकि जम्मू और कश्मीर में फुटपाथों की उपलब्धता 5 प्रतिशत से भी कम थी।

"अगर सही मायनों में इसका पालन किया जाए, तो मानकीकृत मापदंडों – जैसे कि एक समान कैरिजवे की चौड़ाई बनाए रखना, सुनियोजित ढाल और जल निकासी, और फुटपाथों की न्यूनतम चौड़ाई – का उपयोग करके डिज़ाइन की गई सड़कें उन्हें अधिक सुरक्षित और टिकाऊ बनाती हैं," कई शहर सरकारों के साथ सामरिक डिज़ाइन सुधारों पर काम करने वाले एक विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी फैसला सुनाया कि एक साल के भीतर, 50 शहरों को अपने सड़क नेटवर्क के कम से कम 20 प्रतिशत हिस्से पर पैदल यात्री क्रॉसिंग का नवीनीकरण करना होगा, जिसमें स्कूलों, अस्पतालों और परिवहन केंद्रा. ें जैसे अधिक पैदल चलने वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

कई नीति अधिवक्ताओं ने शीर्ष अदालत के इन समयबद्ध निर्देशों की सराहना की है। सड़क सुरक्षा पर काम करने वाली संस्था सेवलाइफ फाउंडेशन के संस्थापक और सीईओ पीयूष तिवारी ने कहा, "जैसे–जैसे राज्य इन नियमों का मसौदा तैयार करने की ओर बढ़ रहे हैं, यह महत्वपूर्ण है कि वे आंकड़ों से अवगत हों, राष्ट्रीय मानकों के साथ सामंजस्य बिठाएं और मजबूत अंतर–एजेंसी सहयोग द्वारा समर्थित हों – यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत की सड़कें संयोग से नहीं, बल्कि डिजाइन द्वारा सुरक्षित बनें।"

सड़क डिजाइन मानक सुरक्षित और कुशल परिवहन नेटवर्क की तकनीकी रीढ़ हैं। वे हर उस तत्व को परिभाषित करते हैं जो यह निर्धारित करता है कि सड़क कैसे काम करती है – इसकी चौड़ाई और वक्रता से लेकर पैदल यात्री, साइकिल चालक और वाहन कैसे परस्पर क्रिया करते हैं। ये मानक ज्यामितीय डिजाइन (लेन की चौड़ाई, कंधे का प्रकार, दृष्टि दूरी, ढाल), फुटपाथ संरचना और सामग्री, जल निकासी प्रणाली, सड़क संकेत, प्रकाश व्यवस्था और चौराहे के लेआउट को निर्दिष्ट करते हैं। शहरी क्षेत्रों में, ये फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, दृष्टिबाधित लोगों के लिए स्पर्शनीय फ़र्श, और ऊँची क्रॉसिंग और कर्ब एक्सटेंशन जैसे यातायात–शांत करने वाले तत्वों तक फैले हुए हैं।

कार्यान्वयन बाधाएँ

विखंडित ज़िम्मेदारियाँ सार्वजनिक जवाबदेही को और कठिन बना देती हैं। एक ही मुख्य सड़क कई एजेंसियों के अधीन आ सकती है – भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (छभ्।प्), राज्य लोक निर्माण विभाग (च्ॅक्), और नगर निकाय, जिनमें से प्रत्येक की पर्यवेक्षण गुणवत्ता और मानक एजेंसी की राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त और तकनीकी संसाधनों के आधार पर अलग–अलग होते हैं। इसका परिणाम आस–पास के हिस्सों में असमान सुरक्षा और डिज़ाइन गुणवत्ता है।

"मुद्दा मानकों की कमी का नहीं, बल्कि जवाबदेही की कमी का है। अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और केवल निचले स्तर पर ही नहीं, बल्कि सभी स्तरों पर। केवल यही स्थिति बदल सकती है," केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के यातायात इंजीनियरिंग और सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख और मुख्य वैज्ञानिक एस वेलमुरुगन ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर चोटों को कम करने में प्रत्येक राज्य के प्रदर्शन की निगरानी सर्वोच्च्य न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति (सड़क सुरक्षा पर एक अलग मामले का हिस्सा) द्वारा की जाती है।

Created by Universal Document Converter

## सम्पादकीय

# बिहार में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत शायद कुछ खास न कहे

बिहार चुनाव में मतदान के आंकड़ों ने एक गहन चर्चा को जन्म दे दिया है। भारत निर्वाचन आयोग के संशोधित आंकड़ों के अनुसार, अनंतिम मतदान 69.1 प्रतिशत रहा, जो 2020 की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत अंक अधिक है। महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 71.6 प्रतिशत अनुमानित है, जो 2020 में दर्ज 59.7 प्रतिशत से भी लगभग 12 प्रतिशत अंक अधिक है। मतदान प्रतिशत में यह एक असाधारण वृद्धि है, लेकिन हम इसका क्या अर्थ निकालते हैं? क्या यह बिहार के परिणामों और रुझानों की एक झलक प्रदान करेगा?

सबसे पहले, बिहार में मतदान, 1990 के दशक में मंडल–युग की लामबंदी के कारण 60 प्रतिशत से अधिक के आंकड़े दर्ज करने के बाद, 2005 में लगभग 46.5 प्रतिशत तक गिर गया। तब से, इसमें लगातार सकारात्मक वृद्धि हुई है। 2010 में यह बढ़कर 52.7 प्रतिशत, 2015 में 56.3 प्रतिशत और 2020 में 57.29 प्रतिशत हो गया। संसदीय चुनावों में, राज्य में लगातार 56–57 प्रतिशत मतदान हुआ है, हालाँकि पिछले साल के लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत 56.2 प्रतिशत से थोड़ा कम था।

ऑकड़े और उनका संदर्भ

2020 का चुनाव कोविड–19 के कारण था, और शायद यही कारण है कि मतदान प्रतिशत में इतनी कम वृद्धि हुई है। यकीनन, पिछले चार विधानसभा चुनावों में – जिन्होंने नीतीश कुमार युग को परिभाषित किया है – मतदान प्रतिशत में औसतन 3–4 प्रतिशत की वृद्धि सामान्य बात है। इसका मतलब है कि 7.5 करोड़ मतदाता सूची में लगभग 25–30 लाख अधिक वोट हैं।

यह भी स्पष्ट है कि विवादास्पद और विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के कारण जून 2025 में कुल मतदाता सूची 7.89 करोड़ से घटकर 7.45 करोड़ रह गई, जो लगभग 5.6 प्रतिशत या लगभग 44 लाख नामों की कमी है। इसका मतलब स्वतः ही मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी, भले ही 2020 की तरह ही लोगों ने वोट डाला हो।

यह इस बात पर ज़ोर देने के लिए है कि मतदाता मतदान के प्रतिशत के आंकड़े हमें स्पष्ट तस्वीर नहीं दे सकते हैं। जिस चीज़ का अध्ययन करने की आवश्यकता है, वह है वोट डालने वाले लोगों की वास्तविक संख्या। और चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में यह वृद्धि लगभग 90 लाख वोटों की है। यदि हम सामान्य 25–30 लाख वोटों को घटा दें, तो इस बार वास्तविक उछाल की मात्रा, जिसे स्पष्ट करने की आवश्यकता है, वह शेष 65 लाख, यानी लगभग 8 प्रतिशत वोट हैं – साथ ही महिला मतदाताओं में विशिष्ट वृद्धि भी।

'विघटनकारी' प्रवेशक

यह तथ्य कि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (JSP) इन चुनावों में एक बहुचर्चित और चर्चित नया प्रवेशक है, पहले की तुलना में मतदाताओं की व्यापक लामबंदी का कारण बनता है। बिहार जैसे राज्य में, जहाँ लगभग तीन दशकों से 'नीतीश बनाम लालू' की लड़ाई रही है, मतदाताओं का थक जाना एक स्पष्ट वास्तविकता है। एक नया प्रवेशक निश्चित रूप से निराश मतदाताओं को बाहर लाता है और साथ ही एक नई लामबंदी भी करता है।

अधिकांश भारतीय राज्यों में, जहाँ पारंपरिक समीकरणों को बिगाड़ने वाले नए प्रवेशकों के साथ, मज़बूत त्रिकोणीय मुकाबले देखे गए हैं, मतदान में वृद्धि देखी गई है। उदाहरण के लिए, 2006 में तमिलनाडु में 2001 की तुलना में मतदान में 11 प्रतिशत अंकों की वृद्धि देखी गई, जब अभिनेता विजयकांत तीसरी ताकत के रूप में मैदान में उतरे। अन्य स्थानों पर भी इसी तरह के रुझान देखे गए हैं। उदाहरण के लिए, जब 2013 में आम आदमी पार्टी (AAP) नई दिल्ली में चुनाव मैदान में उतरी, तो मतदान में 8 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई।

दरअसल, इस साल बिहार में वोट शेयर में हुई बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा नएपन और नए उम्मीदवारों की ज़्यादा लामबंदी की वजह से है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पूरी बढ़त जेएसपी की वजह से है।

# ब्लास्ट का 'मॉड्यूल' कुछ बहुत कुछ कहता है?

**डॉ. रमेश ठाकुर**

ब्लास्ट होने के महज कुछ घंटों पहले दिल्ली से सटे 47 किलोमीटर दूर फरीदाबाद में संदिग्धों के घरों से हथियारों का भारी मात्रा में जखीरा मिलना और सैकड़ों किलो आरडीएक्स की बरामदगी घटना से संबंध जुड़ने की ओर इशारा करती है? बेशक घटना को अभी आतंकी या फिदायीन हरकत करार न दी गई हो? पर, हमले का मॉड्यूल बहुत कुछ कहता है। हालांकि, केंद्रीय जांच एजेंसियां, एनआईए और एनएसजी फिलहाल हर एंगल से कड़ियों को जोड़ने में लगी है। खुदा–ना–खास्ता अगर ये आतंकितयों की हरकतें निकली, तो समझ लेना चाहिए कि अब उन्होंने अपने मंसूबों को अंजाम देने वाले तरीकों में बदलाव कर लिया है। दिन में आतंकी नेटवर्क का पकड़ा जाना और देर शाम को धमाका हो जाने की थ्योरी पर सभी अचंभित हैं। दिल्ली जैसा राज्य जो अति सुरक्षित हो, चप्पे–चप्पे पर चौबीसों घंटे चौकसी रहती हो? जहां केंद्र सरकार से लेकर खुफिया एजेंसियों का ठिकाना हो, वहां घटित ऐसे हादसे को सीधे–सीधे हुकूमत की नाकामी और सुरक्षा तंत्र की घोर विफलता ही कहा जाएगा।

विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी? घटना के समय चारों तरफ भगदड़ मचना, चीख–पुकार का तेज शोर व विस्फोटक चिंगारियों से मेट्र स्टेशन के शीशों का चटाचट टूटना और ब्लास्ट वाली कार का एक गेट करीब 90 मीटर दूर जाकर गिरने के मंजर को देखकर प्रत्यक्षदर्शी, राहगीर और दुकानदार सहम से गए। लोग दुकानों में छिप गए, गाड़ियों की आड़ लेकर बैठ गए। ब्लास्ट वाली जगह पर चौबीसों घंटे लोगों की चहल–पहल रहती है। एशिया का सबसे बड़ा बाजार भी वहीं है इसलिए उसे व्यस्तम इलाकों में गिना जाता है। लालकिले के बाहरी हिस्से में लाखों लोगों की प्रतिदिन आवाजाही रहती है। गनीमत ये रही कि सोमवार



का दिन था, अमूमन दुकानें बंद रहती हैं। वरना, इस भयभीत मंजर ये भगदड़ मचने से और भी बड़ी घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसी अचानक से धरती फट गई हो और आसमान पूरा लाल हो गया हो? लोगों ने बताया घटनास्थल पर किसी का हाथ पड़ा था तो किसी की कटी हुई गर्दन? जलते मांस के टुकड़ों से आती गंध ने और ज्यादा मंजर डरावना कर दिया। कुछ मिनट तक लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है?

दिल्ली सत्ता का केंद्र ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से प्रतीक भी माना जाता है। बहरहाल, फिदायीन हमले की आशंका है जिसको मद्देनजर रखकर ही एनआईए और एनएसजी जांच में जुटी है। क्योंकि ऐसे हमलों की खुफिया जानकारियां उन्हें पूर्व से प्राप्त हैं। तकरीबन इस तरह के हमले विस्फोटक पदार्थों से ही किए जाते हैं जिसका पुलवामा कांड सबसे बड़ा उदाहरण है। इंटेलिजेंस को अगस्त से ही इंटपुट मिल चुके थे कि जम्मू के रास्ते कुछ आतंकी देश में प्रवेश कर चुके हैं जो कहीं न कहीं बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। उन्हें डिटेन करने में तमाम खुफिया एजेंसी सक्रिए थीं। लेकिन सटीक जानकारियां का अभाव रहा। हालांकि, हथियार और आरडीएक्स को बरामद करने में सफलता जरूर मिली। पर, कौन से आतंकी संगठन शामिल हैं और उनका घटनाई मॉड्यूल क्या है? आदि की जानकारी से हाथ खाली रहा। मौजूदा घटना के तय तक जाने की जरूरत है। देशवासियों को इसलिए बताना चाहिए, तो नागरिक खुद से भी सतर्क हो सकें। ऐसी घटनाओं पर समय रहते अगर प्रतिबंध नहीं हुआ, तो आतंकियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे।

घटना में हरियाणा की एचआर–26, 7624 नंबर की आई–20 जो कार प्रयुक्त हुई है उसकी पहचान जांच एजेंसियों कर ली है। कार का मालिक फरीदाबाद निवासी कोई मोहम्मद सलमान नाम का है जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। कुछ महीने पहले उसने उस कार को सेकंड हैंड किसी से खरीदी थी। निश्चित रूप कार के जरिए बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। कार का इसी साल सितंबर में गलत पार्किंग को लेकर फरीदाबाद में चालान भी कटा था। घटना के वक्त कार में तीन लोगों के होने की आशंका जताई गई, जो थे उनके चिथड़े उड़ चुके हैं। कार में वांछित डॉ.उमर मोहम्मद के होने की भी आशंका है, वहीं उमर जिसके घर से घटना के कुछ घंटों पहले हथियारों का जखीरा और आरडीएक्स बरामद हुआ था। कार से बरामद शव उस हालत में नहीं हैं जिनकी शिनाख्त की जाए, डीएनए जांच से ही उनकी पुष्टि हो सकेगी।

घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ खड़े हुए हैं। जैसे, कि ब्लास्ट होने की भनक भारतीय खुफिया एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? घटना केंद्र सरकार और स्थानीय सरकार के बिल्कुल नाक के नीचे घटी। पुलिस को ब्लास्ट की सूचना 6 बजकर 52 मिनट पर मिली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर–एक के बा–मुश्किल 20–25 मीटर दूरी पर लाल बत्ती रेड लाइट पर एक स्लो मोशन कार आती है और ब्लास्ट हो जाता है। सीसीटीवी फुटेज में कार घटना के कुछ घंटे पहले पास के एक मस्जिद परिसर में खड़ी देखी गई। क्या प्लानिंग पहले से की गई थी या फिर आरडीएक्स के शेष हिस्से को ब्लास्ट के जरिए दफन करना था। हालांकि, घटना के बाद जांच चौकसी को बढ़ाते हुए कई राज्यों में हाई अलर्ट किया गया है। आईबी के पास सूचनाएं हैं कि ऐसी घटनाएं कुछ राज्यों में भी घट सकती हैं। इसलिए एतियातन केंद्र सरकार ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अलर्ट जारी किया है।

2025 हादसों के लिए जाना जाएगा। कोई ऐसा महीना नहीं बीता, जब देश में कोई बड़ी घटना न घटी हो? कहीं भगदड़, तो कहीं कुदरती आपदाएं। झकझोर देने वाला पहलगाव हमला भी शामिल है। फिलहाल, दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक? घटना में 11 लोगों के मरने और 24 के घायल के आंकड़ों को प्रशासन ने जारी किया है। आंकड़ा बढ़ सकते हैं। कब तक बेकसूर लोग अपनी जाने ब्लास्ट जैसी घटनाओं में देते रहेंगे? अमन–शांति के हुकूमती नारे धरातल पर कब उतरेंगे, कौनसी घड़ी आएगी जब ये सब होगा? ऐसे सवाल प्रत्येक भारतीयों के मन में उठने लगे हैं।

# लाल किला विस्फोट के बाद उठते गंभीर सवाल

**योगेश कुमार गोयल**

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए भयानक धमाके ने न केवल देश की राजधानी दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया। शाम के करीब सात बजे जब दिल्ली अपनी सामान्य चहल–पहल में डूबी थी, अचानक लाल किला मैट्रो स्टेशन के गेट नंबर–1 के पास एक तेज धमाका हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। कुछ ही पलों में कार जलते मलबे में बदल गई, आसपास खड़ी गाड़ियां आग की लपटों में घिर गई और घना धुआं आसमान में छा गया। यह दृश्य किसी युद्ध के बाद की तबाही जैसा था, आवाज इतनी भयावह कि चांदनी चौक से लेकर जामा मस्जिद तक सायरन और चीखों की गूंज फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक सफेद हुंडई आई–20 कार में अचानक जबरदस्त विस्फोट हुआ। कार के परखच्चे उड़ गए और आग ने पास खड़ी गाड़ियों, ई–रिक्शा आदि को अपनी लपटों में ले लिया। कुछ ही सैकेंडों में पूरा इलाका दहशत के घेरे में था। विस्फोट की तीव्रता ने न केवल वाहनों को चूर–चूर किया बल्कि लाल किला और आसपास की इमारतों तक को हिला दिया, आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए और लोगों के दिलों में एक बार फिर वही पुराना भय लौट आया, वह भय जो दिल्ली ने 2001, 2005, 2008 और 2011 के धमाकों के दौरान महसूस किया था। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। आनन–फानन में जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुट गई कि वाहन में कौन सवार था और विस्फोट से पहले क्या गतिविधियां हुई। जांच एजेंसियों के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं।

दिल्ली–एनसीआर और पुलवामा में लगातार छापेमारी से अलफलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर आतंकी डॉ. उमर नबी दबाव में आ गया था। वह फरीदाबाद से जल्दबाजी में अधूरा तैयार आईईडी लेकर कार से निकला, जिससे धमाका हुआ। इसलिए धमाके का असर सीमित रहा और क्रेटर या छर्रे नहीं मिले। धमाके वाले दिन, आई20 कार लाल किला पहुंचने से पहले दिल्ली के कई इलाकों से गुजरी थी। कार दोपहर ढ़ाई बजे कनॉट प्लेस पहुंची और कुछ देर बाद वहां से निकल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार में विस्फोट सामाग्री वही थी, जो



फरीदाबाद से जब्त की गई है। यह मॉड्यूल जैश–ए–मोहम्मद और अंसार गजवत–उल–हिंद से जुड़ा है, जो जम्मू–कश्मीर, हरियाणा और यूपी में सक्रिय है। इस मामले में गिरफ्तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन शाहिद ने स्वीकार किया है कि वह अपने साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की साजिश रच रही थी। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह पिछले दो सालों से विस्फोटक जमा कर रही थी।

लाल किला केवल एक राष्ट्रीय स्मारक नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और अस्मिता का प्रतीक है। इसकी दीवारों पर हर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण गूंजता है। ऐसे पवित्र स्थल के समीप हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के सबसे गहरे स्तरों तक प्रश्न खड़े करता है। सवाल यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद राजधानी के दिल में यह घटना कैसे घट गई? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में लाल किला सबसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां नियमित रूप से सीसीटीवी, ड्रोन और बीट पैट्रोलिंग की जाती है। फिर भी यदि इस स्तर का विस्फोट हो सकता है तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि सुरक्षा मानसिकता की जड़ता का भी संकेत है। यह दर्शाता है कि हम अब भी उस सुरक्षित भ्रम में जी रहे हैं, जहां खतरे को हमेशा दूर मान लिया जाता है, जब तक कि वह हमारे दरवाजे पर दस्तक नहीं देता। इस धमाके की भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी गूंज बहुत दूर तक सुनाई दी और आसपास के वाहनों में आग फैल गई, फायर ब्रिगेड ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया।

दिल्ली में ऐसा धमाका करीब 13 वर्षों बाद हुआ है। फरवरी 2012 में इजराइली राजनयिकों को निशाना बनाकर हुए बम धमाके के बाद से राजधानी अपेक्षाकृत शांत रही थी। उससे पहले 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट गेट नंबर–5 के पास हुए धमाके में 15 लोग मारे गए थे। 2008 के सिलसिलेवार धमाकों में तो दिल्ली का दिल ही दहल गया था, जब करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में मौत और तबाही की कहानियां लिखी गई थी। उससे पहले 29 अक्तूबर 2005 को दीवाली से दो दिन पहले लश्कर–ए–तैयबा के आतंकियों ने पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में एक साथ तीन धमाके किए थे, जिनमें 60 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यह लंबा इतिहास बताता है कि दिल्ली हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है क्योंकि यह न केवल सत्ता का केंद्र है बल्कि देश की आत्मा है।

लाल किले के पास हुआ यह विस्फोट उस समय हुआ, जब फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद हुआ था। एक कश्मीरी डॉक्टर के किराए के मकान से 360 किलो विस्फोटक, हथियार और टाइमिंग डिवाइस बरामद किए गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें मेडिकल प्रोफैशनल्स और मौलवी भी शामिल बताए गए। इन दोनों घटनाओं के बीच कड़ियां जुड़ने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कोई गहरी साजिश पनप रही थी, जिसे शायद पूरी तरह रोका नहीं जा सका। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हमारी खुफिया प्रणाली में समय रहते चेतावनी देने की क्षमता घट रही है? क्या सूचनाओं का साझा तंत्र अब भी कागजी प्रक्रियाओं में उलझा हुआ है? सुरक्षा केवल हथियारों, बुलेटप्रूफ जैकेटों या बड़ी टीमों से नहीं आती, यह निरंतर सतर्कता, सामुदायिक सहयोग और त्वरित इंटेलिजेंस साझा करने से बनती है। यदि फरीदाबाद जैसी घटनाओं के बाद तत्काल सतर्कता बढ़ाई जाती और वाहन जांच प्रणाली में रैंडम सर्च बढ़ाई जाती तो शायद यह विस्फोट टल सकता था।

बहरहाल, पीड़ितों के परिवारों के लिए यह दर्द केवल आंकड़ों का मामला नहीं बल्कि उनके लिए यह जीवन के उजाले का बुझ जाना है। अस्पतालों में घायल तड़प रहे हैं, कुछ ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। प्रशासन के लिए यह करुणा और जिम्मेदारी की सबसे कठिन परीक्षा है। सरकार को त्वरित राहत, मुआवजा और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी होगी। अपराधियों को पकड़ने और दोषियों को सजा दिलाने में किसी भी तरह की देरी इस देश की न्यायिक साख पर सवाल उठाएगी। हमारी प्राथमिकता इस समय तीन दिशाओं में होनी चाहिए, पीड़ितों के प्रति संवेदना, जांच में निष्पक्षता और भविष्य के लिए सबक। लाल किले के पास हुआ यह धमाका चेतावनी है कि सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसे हर नागरिक की जागरूकता, तकनीकी सशक्तता और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ ही साकार किया जा सकता है। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है, यह सोचने का कि क्या हम सुरक्षा के हर स्तर पर सचमुच उतने सजग हैं, जितना एक जिम्मेदार राष्ट्र को होना चाहिए। दिल्ली की हवा में आज केवल धुआं नहीं बल्कि चिंता और सवाल तैर रहे हैं और जब तक इन सवालों का जवाब तथ्यों, साक्ष्यों और न्याय की कसौटी पर नहीं मिलता, तब तक यह विस्फोट केवल एक हादसा नहीं रहेगा बल्कि हमारी सामूहिक चेतना पर लगी गहरी चोट की तरह याद किया जाएगा। देश उम्मीद कर रहा है कि जांच एजेंसियां सच्चाई को उजागर करते हुए दोषियों को बेनकाब करेंगी और दिल्ली फिर से वही शहर बनेगी, जो हर संकट के बाद और मजबूत होकर उठ खड़ी होती है।

Created by Universal Document Converter

# अमेरिकियों को 2,000 डॉलर का टैरिफ लाभांश देने की ट्रंप की योजना के बारे में क्या जानें

**वाशिंगटनः** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा करते हैं कि उनके टैरिफ अमेरिकी उद्योगों की रक्षा करते हैं, कारखानों को अमेरिका की ओर आकर्षित करते हैं, संघीय सरकार के लिए धन जुटाते हैं और उन्हें कूटनीतिक लाभ प्रदान करते हैं।

अब, वह दावा कर रहे हैं कि इससे अमेरिकी परिवारों को भी अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है: वह एक उदार टैरिफ लाभांश का वादा कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने रविवार को अपने ट्रुथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह विचार रखा, पाँच दिन पहले उनकी रिपब्लिकन पार्टी वर्जीनिया, न्यू जर्सी और अन्य जगहों पर चुनाव हार गई थी, मुख्यतः इसलिए क्योंकि मतदाता उनके आर्थिक नेतृत्व से असंतुष्ट थे – विशेष रूप से, जीवन की उच्च लागत से।

राष्ट्रपति ने कहा कि टैरिफ से इतना पैसा आ रहा है कि "सभी को कम से कम 2000 डॉलर प्रति व्यक्ति (उच्च आय वाले लोगों को छोड़कर!) का लाभांश दिया जाएगा।"

बजट विशेषज्ञों ने इस विचार का मज़ाक उड़ाया, जिससे ट्रम्प प्रशासन की अल्पकालिक क्व्व्म लाभांश चेक योजना की यादें ताज़ा हो गईं, जिसे अरबपति एलोन मस्क द्वारा संघीय बजट में कटौती से वित्तपोषित किया गया था।

गैर–पक्षपाती टैक्स फ़ाउंडेशन में संघीय कर नीति की उपाध्यक्ष एरिका यॉर्क ने कहा, "ये आँकड़े सही नहीं हैं।"

इस बारे में विस्तृत जानकारी बहुत कम है, जैसे कि आय सीमा क्या होगी और क्या भुगतान बच्चों को मिलेगा।

यहाँ तक कि ट्रम्प के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट भी इस साहसिक लाभांश योजना से थोड़े अचंभित लग रहे थे। रविवार को एबीसी के "दिस वीक" में उपस्थित बेसेंट ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के साथ लाभांश पर चर्चा नहीं की है और सुझाव दिया कि इसका मतलब यह नहीं हो सकता कि अमेरिकियों को सरकार से चेक मिलेगा। इसके बजाय, बेसेंट ने कहा, यह छूट कर कटौती के रूप में हो सकती है।

टैरिफ निश्चित रूप से धन जुटा रहे हैं – 30 सितंबर को समाप्त हुए बजट वर्ष में 195 अरब डॉलर, जो वित्त वर्ष 2024 के 77 अरब डॉलर से 153 प्रतिशत अधिक है। लेकिन ये अभी भी संघीय राजस्व के 4 प्रतिशतसे भी कम के लिए ज़िम्मेदार हैं और संघीय बजट घाटे को कम करने में बहुत कम योगदान दिया है – जो वित्त वर्ष 2025 में 1.8 ट्रिलियन डॉलर के चौंका देने वाले स्तर पर पहुँच जाएगा।

बजट विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का लाभांश गणित काम नहीं करता।

येल विश्वविद्यालय के बजट लैब के विश्लेषक जॉन रिको का अनुमान है कि ट्रंप के टैरिफ से सालाना 200 से 300 अरब डॉलर का राजस्व प्राप्त होगा। लेकिन 2,000 डॉलर का लाभांश – अगर यह बच्चों सहित सभी अमेरिकियों को दिया जाए – तो इसकी लागत 600 अरब डॉलर होगी। उन्होंने कहा, "यह स्पष्ट है कि आने वाला राजस्व पर्याप्त नहीं होगा।"

रिको ने यह भी कहा कि ट्रम्प अकेले लाभांश का भुगतान नहीं कर सकते। इसके लिए कांग्रेस से कानून पारित कराना होगा।

इसके अलावा, ट्रम्प की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों का केंद्रबिंदुकृदुनिया के लगभग हर देश से आयात पर दोहरे अंकों का करकृअमेरिकी सुप्रीम कोर्ट तक पहुँची एक कानूनी चुनौती से बच नहीं पाएगा।

पिछले हफ़्ते एक सुनवाई में, न्यायाधीशों ने ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ़ को उचित ठहराने के लिए राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने की व्यापक शक्ति के दावे पर संदेह व्यक्त किया। ट्रम्प ने कांग्रेस को दरकिनार कर दिया है, जिसके पास संविधान के तहत टैरिफ़ सहित कर लगाने का अधिकार है।

अगर अदालत टैरिफ़ को रद्द कर देती है, तो हो सकता है कि ट्रंप प्रशासन उन आयातकों को पैसा लौटा दे जिन्होंने उन्हें भुगतान किया था, न कि अमेरिकी परिवारों को लाभांश चेक भेजे। (ट्रंप टैरिफ़ लगाने के दूसरे तरीके खोज सकते हैं, भले ही वह सुप्रीम कोर्ट में हार जाएँ; लेकिन यह बोझिल और समय लेने वाला हो सकता है।)

मुख्यधारा के अर्थशास्त्री और बजट विश्लेषक बताते हैं कि टैरिफ़ अमेरिकी आयातकों द्वारा चुकाए जाते हैं, जो आम तौर पर ऊँची कीमतों के ज़रिए लागत का बोझ अपने ग्राहकों पर डालने की कोशिश करते हैं।

टैक्स फ़ाउंडेशन के यॉर्क ने कहा कि लाभांश योजना "अपने लक्ष्य से चूक गई है।" "अगर लक्ष्य अमेरिकियों को राहत देना है, तो टैरिफ़ हटा ही दीजिए।"

डेमोक्रेट्स ने मंगलवार को देश भर के प्रमुख चुनावों में उसी लोकलुभावन जोश का इस्तेमाल करके बढ़त हासिल की जिसने एक साल पहले ट्रंप को फिर से चुने जाने में मदद की थी – लेकिन साथ ही उन आम मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया जिन्हें सुलझाने का रिपब्लिकन ने वादा किया था। अब, वर्तमान राष्ट्रपति के रूप में, अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाओं ने ट्रम्प को जनता के असंतोष का बड़ा कारण बना दिया है।

इस बारे में विस्तृत जानकारी बहुत कम है, जैसे कि आय सीमा क्या होगी और क्या भुगतान बच्चों को दिया जाएगा।

यहाँ तक कि ट्रम्प के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट भी इस साहसिक लाभांश योजना से थोड़े अचंभित लग रहे थे। रविवार को एबीसी के "दिस वीक" कार्यक्रम में उपस्थित बेसेंट ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के साथ लाभांश पर चर्चा नहीं की है और सुझाव दिया कि इसका मतलब यह नहीं हो सकता कि अमेरिकियों को सरकार से चेक मिलेगा। इसके बजाय, बेसेंट ने कहा, यह छूट कर कटौती के रूप में हो सकती है।

"हमने बहुत कुछ सीखा है।" ट्रम्प ने बुधवार को स्वीकार किया। फॉक्स न्यूज़ चैनल के एक साक्षात्कार में, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी देश की आर्थिक प्रगति के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है।

"रिपब्लिकन इसके बारे में बात नहीं करते," उन्होंने कहा। "वे सामर्थ्य शब्द के बारे में बात नहीं करते।"

वर्जीनिया और न्यू जर्सी के गवर्नर पद के चुनाव, न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के चुनाव और कैलिफोर्निया के मतदान प्रस्ताव, सभी में मतदाताओं ने आर्थिक चिंताओं को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। डेमोक्रेट्स ने इन चुनावों में भारी जीत हासिल की, और किसी भी प्रमुख चुनाव में, कहीं भी, रिपब्लिकन की महत्वपूर्ण जीत का ज़िक्र करना मुश्किल था।

# कनाडा, भारत व्यापार, ऊर्जा परिवर्तन और सुरक्षा पर रणनीतिक सहयोग की ओर अग्रसर

**टोरंटोः** ओटावा और नई दिल्ली, कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की भारत यात्रा के दौरान "व्यापार विविधीकरण, ऊर्जा परिवर्तन और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर रणनीतिक सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने" पर विचार कर रहे हैं।

आनंद रविवार को नई दिल्ली पहुँचेंगी और मुंबई भी जाएँगी। अपनी इस यात्रा के दौरान वह विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेंगी। 2019 में राजनीति में आने और सांसद बनने के बाद, यह उनकी मंत्री के रूप में पहली भारत यात्रा है।

यात्रा से पहले एक बयान में, कनाडा के विदेश मंत्रालय, ग्लोबल अफेयर्स ने कहा, "अपनी दिल्ली, भारत यात्रा के दौरान, मंत्री आनंद विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेंगी, क्योंकि दोनों देश व्यापार विविधीकरण, ऊर्जा परिवर्तन और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर रणनीतिक सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।"

इसमें आगे कहा गया है, "मंत्री आनंद मुंबई, भारत भी जाएँगी, जहाँ वह कनाडा और भारत में निवेश, रोज़गार सृजन और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही कनाडाई और भारतीय कंपनियों से मिलेंगी।"

भारत में अपने कार्यक्रमों के बाद आनंद सिंगापुर और चीन की भी यात्रा करेंगी।

"कनाडा को घरेलू स्तर पर मज़बूत बनाने के लिए, हमें विदेशों में मज़बूत और स्थिर साझेदारियों की ज़रूरत है। मैं भारत, सिंगापुर और चीन के साथ संबंध मज़बूत कर रही हूँ और सहयोग बढ़ा रही हूँ। कनाडा की हिंद–प्रशांत रणनीति के अनुरूप, मैं हिंद–प्रशांत देशों और उनकी अर्थव्यवस्थाओं के लिए कनाडा को एक भरोसेमंद और विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए काम करूँगी।"

बयान में बताया गया है कि भारत इस साल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस संदर्भ में, इसमें कहा गया है, "कनाडा भारत के साथ अपने सुस्थापित वाणिज्यिक संबंधों को समर्थन देने और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें कृषि, महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा क्षेत्र शामिल हैं।"

इसमें बताया गया है कि भारत 2024 में कनाडा का सातवाँ सबसे बड़ा वस्तु एवं सेवा व्यापार साझेदार होगा।

# 'नाउ यू नो' पॉडकास्टः नोआ डे बारसो मनोरंजन और राजनीति में ईमानदारी के लिए प्रयासरत

**न्यूयॉर्कः** नोआ डे बारसो ने पहली बार 2024 में पॉप–सांस्कृतिक–राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश किया, जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के प्रति उनके मुखर समर्थन ने इंटरनेट का ध्यान आकर्षित किया। एक साल बाद, 14 वर्षीय यह किशोर एक मुखर किशोर टिप्पणीकार से अपने पॉडकास्ट, "नाउ यू नो विद नोआ डे बारसो" के साथ एक उभरते हुए मीडिया व्यक्तित्व के रूप में उभरे हैं।

इस साल की शुरुआत में शुरू हुआ यह शो राजनीति और मनोरंजन के बीच अक्सर असहज ओवरलैप को दर्शाता है। प्रत्येक एपिसोड में डे बारसो राजनीतिक हस्तियों से लेकर मनोरंजनकर्ताओं तक, मेहमानों के साथ बातचीत करते हैं, सांस्कृतिक रुझानों और वर्तमान घटनाओं के बीच सहजता से आगे बढ़ते हैं।

नोआ डे बारसो 'आलोचना से नहीं डरते'

डे बारसो का सीधा, बेबाक लहजा इस शो की पहचान बन गया है।

"मुझे मीडिया में आलोचना से डर नहीं लगता," नोआ ने भ्पदकनेजंदज्पउमे.बवउ को बताया। "मुझे लगता है कि राजनेताओं में ईमानदारी और पारदर्शिता होना बेहद ज़रूरी है।"

एपिसोड अक्सर तीखे विमर्श में बदलने से पहले सहजता से शुरू होते हैं। मेहमानों में पूर्व व्हाइट हाउस प्रेस सचिव करीन जीन–पियरे, कार्यकर्ता एंजेला राई, प्रतिनिधि बेनी थॉम्पसन और ग्रैमी पुरस्कार विजेता कलाकार मैसी ग्रे शामिल हैं।

"जैसा कि आप में से कई लोग जानते हैं, मैं आमतौर पर माइक के दूसरी तरफ होता हूँ, और मैंने अपनी उपस्थिति इस बात पर आधारित की है कि मुझे कब बोलना हैकृऔर अब, मैं वही ऊर्जा माइक के अपने हिस्से में ला रहा हूँ।"

"नाउ यू नो" के मूल में ईमानदारी है। नोवा राजनेताओं से लिखित उत्तरों से बचने के लिए कहता है और मेहमानों को उनके राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इसका प्रारूप निडर और अप्रत्याशित रूप से सुधारात्मक है, खासकर किसी ऐसे व्यक्ति से जो मुश्किल से हाई स्कूल में पढ़ा हो।

"यह शो वह जगह है जहाँ संस्कृति, राजनीति और वास्तविक बातचीत मिलती है, और मैं अपनी आवाज़ को ईमानदार, उच्च और बेबाकी से इस्तेमाल करने के लिए उत्साहित हूँ। आप मेरा नाम जानते हैंकृअब बात करते हैं कि वास्तव में क्या मायने रखता है," उन्होंने कहा।

सभी के लिए जेन अल्फा टोन

इस बीच, पॉडकास्ट का टोन, नोवा के खुद के परिपक्व होने को दर्शाता है, एक ऐसे मीडिया इकोसिस्टम में जहाँ वायरलिटी अक्सर प्रामाणिकता पर भारी पड़ती है।

## व्हाइट हाउस ने चार्ली किर्क की हत्या को 'वामपंथी आतंकवादी' आंदोलन से जोड़ा, इसे जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया




**वाशिंगटनः** व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारी स्टीफन मिलर ने सोमवार को संकल्प लिया कि ट्रंप प्रशासन एक कथित "व्यापक घरेलू आतंकवादी आंदोलन" को ध्वस्त कर देगा, जिसे उन्होंने दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या से जोड़ा था।

व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मिलर ने किर्क के पॉडकास्ट पर यह टिप्पणी की, जिसकी मेजबानी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को की थी।

मिलर ने कहा, "हम इस हत्या को अंजाम देने वाले संगठित अभियान पर अपने सारे गुस्से को इन आतंकवादी नेटवर्कों को जड़ से उखाड़ने और नष्ट करने में लगाएंगे।"

मिलर और वेंस दोनों ने एक उभरते वामपंथी उग्रवादी आंदोलन के अस्तित्व का आरोप लगाया, जिसे उन्होंने कहा कि प्रशासन अब निशाना बनाएगा।

मिलर ने कहा, "हम न्याय विभाग, होमलैंड सुरक्षा और इस पूरी सरकार में अपने हर संसाधन का इस्तेमाल इन नेटवर्कों की पहचान करने, उन्हें बाधित करने, नष्ट करने और नष्ट करने और अमेरिका को अमेरिकी लोगों के लिए फिर से सुरक्षित बनाने के लिए करेंगे।"

किर्क की हत्या के सभी विवरण पूरी तरह से सामने आने से पहले आई इन टिप्पणियों ने ट्रंप के कुछ आलोचकों में यह चिंता पैदा कर दी है कि इस तरह के अभियान का इस्तेमाल असहमति को दबाने के लिए किया जा सकता है।

किर्क एक मुखर रूढ़िवादी थे, लेकिन हाल के वर्षों में, ध्रुवीकरण में तेज़ी से वृद्धि और आग्नेयास्त्रों की आसान पहुँच के बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका में दोनों राजनीतिक दलों के सदस्यों को निशाना बनाकर हिंसा देखी गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान दो हत्या के प्रयासों से बच गए थे, जबकि मिनेसोटा की एक डेमोक्रेटिक सांसद और उनके पति की जून में एक नकाबपोश बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

दो महीने पहले, एक व्यक्ति ने पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो, जो एक प्रमुख डेमोक्रेट हैं, के घर पर हमला किया था।

ट्रंप के करीबी सहयोगी किर्क को बुधवार को यूटा विश्वविद्यालय परिसर में एक भाषण कार्यक्रम के दौरान गोली मार दी गई। वह प्रभावशाली रूढ़िवादी युवा राजनीतिक समूह टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक थे।

सोमवार को पॉडकास्ट पर, वेंस ने एक ऐसे व्यक्ति की प्रशंसा की, जिसे उन्होंने "अब तक मिले सबसे चतुर राजनीतिक कार्यकर्ता" कहा।

उन्होंने कहा, "डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति और मुझे उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।" ट्रम्प रविवार को एरिज़ोना के एक स्टेडियम में किर्क की स्मृति में आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा में शामिल होंगे।

सोमवार को, राष्ट्रपति ने कहा कि वह "एंटीफ़ा" को एक घरेलू आतंकवादी संगठन घोषित करने और कथित "आंदोलन" के लिए धन जुटाने वालों पर संगठित अपराध के आरोप लगाने पर विचार कर रहे हैं।

"एंटी–फ़ासीवाद–विरोधी" का संक्षिप्त रूप, एंटीफ़ा, बिखरे हुए अति–वामपंथी समूहों के लिए एक व्यापक शब्द है, और अक्सर विरोध प्रदर्शनों में हिंसा के बारे में दक्षिणपंथी चर्चाओं में इसका उल्लेख किया जाता है।

ट्रम्प ने पहले अपने पहले कार्यकाल में एंटीफ़ा को "घरेलू आतंकवादी संगठन" घोषित करने की धमकी दी थी, लेकिन कभी अमल नहीं किया।

हालाँकि संघीय कानून प्रवर्तन अपने दायरे में घरेलू आतंकवाद से निपटने को शामिल करता है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका के पास नामित "घरेलू आतंकवादी संगठनों" की कोई सूची नहीं है।

– डीएनए साक्ष्य –

सोमवार की शुरुआत में, एफबीआई निदेशक काश पटेल ने कहा कि हत्या स्थल से मिले डीएनए का मिलान संदिग्ध टायलर रॉबिन्सन से हो गया है, जिसे गुरुवार को 33 घंटे की तलाशी के बाद गिरफ्तार किया गया था।

22 वर्षीय इस युवक पर मंगलवार को हत्या का औपचारिक आरोप लगाए जाने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध ने छत से किर्क की गर्दन में एक गोली मारने के लिए राइफल का इस्तेमाल किया।

# ईरान के साथ ऊर्जा व्यापार को लेकर अमेरिका ने 8 भारतीयों और कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए

**वाशिंगटनः** एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ईरानी ऊर्जा व्यापार में कथित रूप से मदद करने के आरोप में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित 50 से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों में आठ भारतीय नागरिक और कई भारत–स्थित कंपनियाँ शामिल हैं।

विदेश विभाग ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उसने लगभग 40 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं ताकि "ईरानी शासन को उसके दुर्भावनापूर्ण कार्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले धन से वंचित किया जा सके।"

वहीं, वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ब्ध्।ब्) ने वैश्विक बाजारों में ईरानी पेट्रोलियम और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (स्च्ळ) के निर्यात में शामिल 50 से अधिक संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

दोनों विभागों द्वारा जारी की गई सूचियों में आठ भारतीय नागरिक शामिल हैं, जिन्हें वाशिंगटन की "विशेष रूप से नामित नागरिकों (ैक्छ) और प्रतिबंधित व्यक्तियों" की सूची में जोड़ा गया है। इस सूची में शामिल लोगों को अमेरिकियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है और उन्हें अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिबंधित कंपनियों में नीति उन्मेष भट्ट भी शामिल हैं, जिनकी भारत स्थित इंडिसोल मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड पर भी प्रतिबंध लगाया गया था।

इस पेट्रोकेमिकल ट्रेडिंग कंपनी ने जनवरी और दिसंबर 2024 के बीच एक अमेरिकी–नामित फर्म से लगभग 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात किया।

इस सूची में पीयूष मगनलाल जाविया भी शामिल थे, जिनकी केमोविक प्राइवेट लिमिटेड पेट्रोकेमिकल ट्रेडिंग कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया था। इसने 2024 और 2025 के बीच एक अमेरिकी–नामित फर्म से 7 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात किया।

कमला कनयालाल कसाट, कुणाल कनयालाल कसाट और पूनम कुणाल कसाट भी इस सूची में शामिल थे। उनकी कंपनी, हरेश पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड ने जनवरी 2024 और फरवरी 2025 के बीच कई कंपनियों से लगभग 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात किया। इन तीनों के साथ–साथ उनकी कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया।

सूची में वरुण पुला भी शामिल हैं, जो मार्शल द्वीप स्थित बर्था शिपिंग इंक के मालिक हैं, जो कोमोरोस ध्वज वाले जहाज पामीर का मालिक और संचालक है। इस जहाज ने जुलाई 2024 से चीन को लगभग 40 लाख बैरल ईरानी एलपीजी पहुँचाई है। यह कंपनी भी सूची में थी।

प्रतिबंधित एक अन्य भारतीय नागरिक इयप्पन राजा हैं, जो मार्शल द्वीप स्थित एवी लाइन्स इंक के मालिक हैं, जो पनामा ध्वज वाले सैफायर गैस जहाज का मालिक और संचालक है। इसने अप्रैल 2025 से चीन को 10 लाख बैरल से अधिक ईरानी एलपीजी पहुँचाई है। एवी लाइन्स इंक भी प्रतिबंधित संस्थाओं की सूची में थी।



वेगा स्टार शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की मालिक सोनिया श्रेष्ठा और उनकी कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। यह कंपनी कोमोरोस ध्वज वाले जहाज, छम्च्ज। का स्वामित्व और संचालन करती है, जिसने जनवरी 2025 से ईरानी मूल की एलपीजी को पाकिस्तान पहुँचाया है।

ओएफएसी की एसडीएन सूची में शामिल अन्य भारत–आधारित संस्थाओं में बी के सेल्स कॉर्पोरेशन, सी.जे. शाह एंड कंपनी, मोदी केम, पारीकेम रिसोर्सेज एलएलपी और शिव टेक्सकेम लिमिटेड शामिल हैं।

"इन लोगों ने सामूहिक रूप से अरबों डॉलर मूल्य के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात को संभव बनाया है, जिससे ईरानी शासन को महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त हुआ है और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए खतरा पैदा करने वाले आतंकवादी समूहों को समर्थन मिला है," ट्रेजरी विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा।

"ट्रेजरी विभाग ईरान की ऊर्जा निर्यात प्रणाली के प्रमुख तत्वों को नष्ट करके ईरान के नकदी प्रवाह को कम कर रहा है," ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के हवाले से इसमें कहा गया है।

बयान में आगे कहा गया है कि "नामित या अवरुद्ध व्यक्तियों की सभी संपत्तियाँ और संपत्ति में हित" जो अमेरिका में हैं या अमेरिकी व्यक्तियों के कब्जे या नियंत्रण में हैं, अवरुद्ध हैं और उनकी सूचना OFAC को दी जानी चाहिए।

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, एक या एक से अधिक अवरुद्ध व्यक्तियों के 50 प्रतिशत या उससे अधिक स्वामित्व वाली कोई भी संस्था भी अवरुद्ध है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को चीन के साथ अपने व्यापार युद्ध को फिर से भड़का दिया, चीनी आयात पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव बढ़ गया।

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नए टैरिफ, "किसी भी और सभी महत्वपूर्ण सॉफ़्टवेयर" पर अमेरिकी निर्यात नियंत्रणों के साथ, 1 नवंबर से प्रभावी होंगे। उन्होंने दावा किया कि यह कदम बीजिंग द्वारा दुर्लभ पृथ्वी खनिजों, इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्टफ़ोन और सैन्य हार्डवेयर में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख तत्वों पर "असाधारण रूप से आक्रामक" निर्यात प्रतिबंधों के प्रतिशोध में उठाया गया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "यह विश्वास करना असंभव है कि चीन ने ऐसा कदम उठाया होगा, लेकिन उन्होंने ऐसा किया है, और बाकी इतिहास है।" इस घोषणा से वैश्विक बाजारों में हलचल मच गई, नैस्डैक में 3.6 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जो अप्रैल के बाद से वॉल स्ट्रीट की सबसे खराब एकल–दिवसीय गिरावट थी।

Created by Universal Document Converter

# विशेषज्ञ क्या कहते हैं: क्या कंजंक्टिवाइटिस या गुलाबी आँख कोविड के प्रकार आर्कटुरस का नया लक्षण है?

नई दिल्ली: मधुमेह, एक दीर्घकालिक बीमारी है जो शरीर के लिए भोजन से प्राप्त शर्करा का उपयोग करना मुश्किल बना देती है। रक्तप्रवाह में बढ़ा हुआ रक्त शर्करा स्तर समय के साथ हृदय, रक्त वाहिकाओं, आँखों, गुर्दे और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुँचा सकता है। नियमित दवा और जीवनशैली में बदलाव से इस बीमारी को नियंत्रण में रखा जा सकता है और जटिलताओं को रोका जा सकता है। मधुमेह आपकी त्वचा को भी प्रभावित कर सकता है। वास्तव में, आपकी त्वचा में होने वाले परिवर्तन कभी–कभी मधुमेह का पहला लक्षण हो सकते हैं। चयापचय संबंधी विकार होने से मौजूदा त्वचा संबंधी समस्याएं और भी बदतर हो सकती हैं और त्वचा संबंधी नई समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं।

मधुमेह आपकी रक्त वाहिक. ाओं और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुँचा सकता है जिससे त्वचा में रक्त संचार और रक्त प्रवाह कम हो सकता है। रक्त संचार में कमी से कोलेजन में परिवर्तन हो सकता है जिससे त्वचा की बनावट, रूप और उपचार क्षमता प्रभावित हो सकती है। मधुमेह के साथ खुजली, त्वचा का मोटा होना, पीले या भूरे रंग के धब्बे, छाले, त्वचा में संक्रमण जैसी अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

"मधुमेह एक दीर्घकालिक बीमारी है और दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ती बीमारियों में से एक है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कुछ ही वर्षों में लगभग तीन में से एक व्यक्ति टाइप ॥ मधुमेह से पीड़ित होगा। शोधकर्ता और विशेषज्ञ अभी भी मधुमेह के स्थायी इलाज की तलाश में हैं, लेकिन ज़्यादातर लोग मधुमेह के लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस बीमारी के लक्षणों और प्रभावों को जानने से इसे गंभीर होने से रोका जा सकता है," द एस्थेटिक क्लिनिक्स की कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट, कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट और डर्मेटो–सर्जन डॉ. रिंकी कपूर कहती हैं।

डॉ. रिंकी त्वचा पर मधुमेह के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रही हैं जिन पर ध्यान देना चाहिए:




1. त्वचा पर जीवाणु संक्रमण। अगर आपका शुगर लेवल ज़्यादा है, तो आपको बैक्टीरिया लगने का ख़तरा ज़्यादा होता है, खासकर पलक. ों पर, जैसे कि फुंसी और फोड़े, नाखूनों में संक्रमण और त्वचा में गहरे संक्रमण। ये संक्रमण आमतौर पर दर्दनाक होते हैं और लाल और सूजे हुए दिखाई देते हैं।

2. नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका

ये त्वचा पर पीले, लाल या भूरे रंग के धब्बे होते हैं। ये आमतौर पर छोटे–छोटे उभारों के रूप में शुरू होते हैं और बड़े धब्बों में बदल जाते हैं जो छूने पर सख्त और सूजे हुए लगते हैं। ये धब्बे चमकदार दिखने लगते हैं और खुजली और दर्द का कारण बनते हैं।

3. गहरी मखमली त्वचा

यह प्री–डायबिटीज़ के सबसे आम और शुरुआती लक्षणों में से एक है। गर्दन, बगल, कमर और त्वचा की सिलवटों के अन्य हिस्सों पर त्वचा के गहरे, मखमली धब्बे दिखाई देते हैं। इन्हें एकेंथोसिस निग्रिकन्स (AN) भी कहा जाता है और इनका दिखना ज़्यादा वज़न के कारण होता है।

4. मधुमेह के छाले

जिन्हें चिकित्सकीय रूप से बुलोसिस डायबिटिकोरम भी कहा जाता है, ये त्वचा पर कई छोटे छालों या एक बड़े छाले के रूप में अचानक दिखाई देते हैं। ये हाथों, पैरों, पैर की उंगलियों, उंगलियों के पिछले हिस्से, टांगों, अग्रबाहुओं पर दिखाई दे सकते हैं। ये दिखने में दर्द रहित होते हैं, लेकिन ऐसा लगता है जैसे आप गंभीर जलन से पीड़ित हैं।

5. डिजिटल स्क्लेरोसिस

इस लक्षण के कारण आपकी त्वचा सख्त और मोम जैसी हो जाती है। आप इसे हाथों के पिछले हिस्से पर देखेंगे और आमतौर पर उंगलियों और जोड़ों को हिलाना मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति अग्रबा. हुओं, कंधों, गर्दन और पीठ के ऊपरी हिस्से और कभी–कभी चेहरे, कंधों और छाती को भी प्रभावित करती है। जब यह आपके पैरों को प्रभावित करता है, तो पैरों को मोड़ना या पैर की उंगलियों को हिलाना मुश्किल हो सकता है।

6. पिंडलियों पर धब्बे

ये धब्बे या रेखाओं के रूप में दिखाई देते हैं जो त्वचा पर गड्ढे पैदा करते हैं। डायबिटिक डर्मोपैथी के रूप में भी जानी जाने वाली यह स्थिति दर्द रहित होती है, लेकिन फिर भी मधुमेह के अच्छे उपचार के लिए इस पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

7. इरप्टिव ज़ैंथोमैटोसिस

यदि आपको मधुमेह है, तो कोहनी और घुटनों के पिछले हिस्से पर छोटे–छोटे लाल–पीले रंग के दाने दिखाई देते हैं। इनमें खुजली हो सकती है और आमतौर पर उच्च कोलेस्ट्रॉल वाले युवा पुरुषों को प्रभावित करते हैं। ये अचानक दिखाई देते हैं और ऐसे ही गायब भी हो जाते हैं।

8. असहज रूप से शुष्क और खुजली वाली त्वचा

शुष्क त्वचा शुष्क त्वचा का एक सामान्य लक्षण है। उच्च रक्त शर्करा का स्तर त्वचा की नमी को छीन सकता है जिससे अत्यधिक रूखापन और खुजली हो सकती है। इससे त्वचा में घाव हो सकते हैं और गंभीर संक्रमण भी हो सकते हैं। डॉ. अनुराग अग्रवाल, कंसल्टेंट–इंटरनल मेडिसिन, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद, त्वचा पर मधुमेह के कुछ और लक्षण बताते हैं जिन पर ध्यान देना ज़रूरी है:

9. डायबिटिक डर्मोपैथी

ये छोटे, 1 सेमी से भी कम आकार के, एट्रोफिक गड्ढे, मैक्यूल या पैप्यूल होते हैं जो प्रीटिबिया पर स्पष्ट रूप से चिह्नित होते हैं। इन्हें इंसुलिन प्रतिरोध का संकेत माना जाता है। ये 1–2 साल के भीतर अपने आप ठीक हो जाते हैं, जिससे उस जगह पर एट्रोफिक हाइपोपिग्मेंटेशन रह जाता है।

10. कैंडिडिआसिस जैसे फंगल संक्रमण

यह मुख्य रूप से कैंडिडा एल्बिकेन्स के कारण होता है, लाल पट्टिकाओं पर सफेद चिपकने वाला स्राव और सैटेलाइट पस्ट्यूल दिखाई देते हैं। वुल्वोवैजाइनल कैंडिडिआसिस सबसे आम है, इसके बाद पेरिएनल कैंडिडिआसिस होता है। इसका सरल इलाज सही उपचार और रक्त परीक्षण करवाना है।

11. रूबेओसिस फेसि

यह एक माइक्रोएंजियोपैथिक जटिलता है जो चेहरे पर लालिमा पैदा करती है। यह त्वचा की एक सामान्य अभिव्यक्ति है, लेकिन आमतौर पर इसका पता नहीं चलता। सख्त ग्लाइसेमिक नियंत्रण आवश्यक है।

12. एपिडर्मल नेक्रोलिसिस/स्टीवंस–जॉनसन सिंड्रोम

यह श्लेष्मा क्षेत्र की एक दुर्लभ नेक्रोटाइज़िंग स्थिति है और एक जीवन–धमकाने वाली आपातकालीन स्थिति है, जिसका क्क्–4 अवरोधक, मुख्य रूप से सिटाग्लिप्टिन, इससे जुड़ा है। उपचार में पिछले 8 हफ़्तों में शुरू की गई सभी दवाओं को बंद करना शामिल है।

13. स्क्लेरेडर्मा डायबिटिकोरम

स्क्लेरेडर्मा डायबिटिकोरम मोटी पट्टिकाएँ होती हैं, जो कठोर, लालिमायुक्त होती हैं और मुख्य रूप से ऊपरी पीठ और गर्दन पर होती हैं।

# कार्यस्थल पर मातृ मानसिक स्वास्थ्य: प्रसवोत्तर अवधि के दौरान महिलाएँ कार्य–जीवन संतुलन कैसे प्राप्त कर सकती हैं, यहाँ बताया गया है



**नई दिल्ली:** गर्भावस्था जीवन को बदल देने वाली होती है, लेकिन कई महिलाओं के लिए यह भारी भी पड़ सकती है क्योंकि वे गर्भावस्था और प्रसवोत्तर अवधि के दौरान आने वाली चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ होती हैं, इसलिए समय की माँग है कि परिवार के सदस्य और संगठन उनका समर्थन करें और उनके जीवन को आसान बनाएँ।

अध्ययनों के अनुसार, एक संगठन एक माँ के काम पर लौटने को कैसे संभालता है, इसका उसके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

संगठन कार्य–संबंधी अधिक. ांश कारकों को नियंत्रित करते हैं जो सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य परिणामों में मदद कर सकते हैं, जो नई माताओं के लिए सवेतन मातृत्व अवकाश, कुल कार्यभार और नौकरी में लचीलेपन के रूप में हो सकते हैं।

एक माँ के लिए कार्य–जीवन संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि गर्भावस्था के बाद काम पर लौटना एक महिला के लिए कठिन हो सकता है, जहाँ वह एक कर्मचारी और एक माँ दोनों की भूमिकाएँ एक साथ निभाना शुरू कर सकती है।

एचटी लाइफस्टाइल के साथ एक साक्षात्कार में, खारघर स्थित मदरहुड हॉस्पिटल की कंसल्टेंट प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरभि सिद्धार्थ ने कार्य–जीवन संतुलन बनाए रखने के तरीके पर बात की और कहा, "अगर एक माँ और एक कर्मचारी की भूमिका के बीच टकराव होता है, तो इसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। जो लोग किसी बीमारी के कारण लंबे समय से काम से बाहर हैं और कार्यस्थल पर वापस आ रहे हैं, उन्हें लंबे समय के बाद खुद को फिर से समायोजित करने में कठिनाई हो सकती है।"

उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "बेहतर उत्पादकता और सफल परिणामों के लिए संगठन के लिए एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

कर्मचारियों की क्षमता की जाँच करने और सही संतुलन बनाए रखते हुए उनकी नौकरी की ज़िम्मेदारियों को समायोजित करने के लिए "वापसी–से–कार्यस्थल कार्यक्रम" हैं। महिलाओं को दबाव की स्थितियों से निपटने में मदद करने के लिए एक सहायता समूह बनाया जाना चाहिए। एक ऐसी संरचना होनी चाहिए जहाँ हम उन बातचीत कर सकें और उनकी ज़रूरतों को पूरा कर सकें।

काम करते समय लचीलापन होना चाहिए ताकि महिलाएं दोनों ज़िम्मेदारियों को आसानी से निभा सकें। नई माताओं को जब भी संभव हो घर से काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए।"

विशेषज्ञ ने निष्कर्ष निकाला, "नई माँओं को एक अच्छा कार्य वातावरण प्रदान किया जाना चाहिए ताकि वे शिशु और अपने काम पर ध्यान दे सकें। ज़रूरत से ज़्यादा मेहनत करने से बचें, लाड़–प्यार करें और अपना पूरा ध्यान रखें। बिना किसी अपराधबोध के अपने लिए कुछ समय निकालना और आराम करना ठीक है। एक माँ के काम पर लौटने का उसके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

संगठन कार्य–संबंधी अधिक. ांश कारकों को नियंत्रित करते हैं जो सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य परिणामों में मदद कर सकते हैं, जो नई माताओं के लिए सवेतन मातृत्व अवकाश, कुल कार्यभार और नौकरी में लचीलेपन के रूप में हो सकते हैं।

शिशु के स्वास्थ्य के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य की भी ज़िम्मेदारी लेने की कोशिश करें।"

# पालक स्मूदी में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा बढ़ाने वाले सबसे प्रभावी तरल पदार्थ: अध्ययन

**नई दिल्ली:** जब स्मूदी में पालक से एंटीऑक्सीडेंट ल्यूटिन निकालने की बात आती है, तो बाज़ार में मिलने वाले विभिन्न उत्पादों के परिणाम बेहद अलग–अलग होते हैं। स्वीडन के लिंकोपिंग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा अध्ययन किए गए 14 आम डेयरी और पादप–आधारित उत्पादों में से केवल चार ने ही ल्यूटिन की मात्रा बढ़ाई। कुछ पेय पदार्थों का पानी की तुलना में पालक स्मूदी में ल्यूटिन की मात्रा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

अधिकांश लोग जानते हैं कि पालक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। उदाहरण के लिए, ल्यूटिन, पालक और केल में मौजूद एक रसायन है। कई प्रायोगिक अध्ययनों से पता चला है कि ल्यूटिन सूजन संबंधी प्रक्रियाओं को दबा सकता है, और अब इस बात के प्रचुर प्रमाण हैं कि पुरानी, घ्क्रम–तीव्रता वाली सूजन हृदय रोग का एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है।

"ल्यूटिन एक जैवसक्रिय पदार्थ है। हमने ल्यूटिन की जाँच उसी तरह की जैसे हम किसी दवा की जाँच करते हैं।" लिंकोपिंग विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य, चिकित्सा और देखभाल विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर रोसन्ना चुंग, जिन्होंने न्यूट्रिएंट्स में प्रकाशित अध्ययन का नेतृत्व किया, बताती हैं, "इस अध्ययन में हमने ताज़े पालक से ल्यूटिन की रिहाई का अध्ययन किया।"

चूँकि हमारा शरीर ल्यूटिन का उत्पादन नहीं कर सकता, इसलिए इस अध्ययन के पीछे के शोधकर्ता यह पता लगाने में रुचि रखते थे कि खाद्य पदार्थों से ल्यूटिन के सेवन को कैसे अनुकूलित किया जाए। शोध समूह ने पहले दिखाया था कि पालक को गर्म करने की तैयारी के तरीके ल्यूटिन को कुछ हद तक तोड़ देते हैं, जबकि इसे स्मूदी में मिलाने से अवशोषण के लिए अधिक ल्यूटिन उपलब्ध होता है।

स्मूथी में इस्तेमाल किए गए तरल का प्रकार भी ल्यूटिन की मात्रा को प्रभावित कर सकता है। चूँकि ल्यूटिन वसा में घुलता है लेकिन पानी में नहीं, इसलिए इसे पौधों के पदार्थों से मुक्त होने और हमारी आंतों द्वारा अवशोषित होने के लिए गैस्ट्रिक जूस और/या अन्य खाद्य घटकों की आवश्यकता होती है। शोधकर्ताओं को संदेह था कि हमारे भोजन में कुछ घटक, जैसे वसा, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर, अवशोषण के लिए उपलब्ध ल्यूटिन की मात्रा को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे उत्पादों का प्रभाव दही के किण्वन के कारण भी अलग–अलग गुण हो सकते है। हालाँकि, बाज़ार में व्यापक रूप से उपलब्ध उत्पादों की वैज्ञानिक अध्ययनों में शायद ही कभी जाँच की जाती है।

शोधकर्ताओं ने खाद्य दुकानों से उपलब्ध विभिन्न उत्पादों के स्मूदी में मुक्त ल्यूटिन की मात्रा पर प्रभावों की जाँच की है। डेयरी और पादप–आधारित दोनों प्रकार के तरल पदार्थों का परीक्षण किया गया।

शोधकर्ताओं ने पालक को विभिन्न उत्पादों के साथ मिलाया। फिर उन्होंने पाचन एंजाइम मिलाकर जठरांत्र संबंधी मार्ग में मानव पाचन का अनुकरण करने वाली एक विधि का उपयोग किया। अंत में, विभिन्न उत्पादों से बनी स्मूदी में शरीर द्वारा अवशोषित करने के लिए उपलब्ध ल्यूटिन की मात्रा की तुलना केवल पानी से बनी स्मूदी से की गई।

"हम देख सकते थे कि जाँचे गए 14 उत्पादों में से केवल 4 ने ही पानी की तुलना में पालक से ल्यूटिन की मुक्ति को बढ़ाया। उच्च वसा वाले गाय के दूध और नारियल के दूध ने ल्यूटिन मुक्ति में सुधार किया।" रोसन्ना चुंग कहती हैं, "हालांकि, दही, जिसे गाय के दूध के बराबर माना जाता है और अक्सर कैफ़े वगैरह में इस्तेमाल किया जाता है, ने कुछ खास अच्छे नतीजे नहीं दिखाए।"

यह तथ्य कि दही ल्यूटिन को मुक्त करने में उतना अच्छा नहीं है, शायद किण्वन प्रक्रिया से जुड़ा है। यह भी पता चला कि पौधे–आधारित पेय, जो अक्सर मेवों, फलियों या ओट्स से बनाए जाते हैं, ने काफ़ी अलग नतीजे दिखाए।

"स्मूदी में पौधे–आधारित तरल पदार्थों का इस्तेमाल तेज़ी से आम होता जा रहा है। हमने देखा कि पालक की स्मूदी में ल्यूटिन को मुक्त करने के मामले में सोया दूध वास्तव में पानी से कम प्रभावी था। दूसरे शब्दों में, हमारे अध्ययन में सोया दूध का ल्यूटिन मुक्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा," डॉक्टरेट के छात्र और अध्ययन के शोधकर्ताओं में से एक, जान नीलिसन कहते हैं।

अध्ययन में शामिल अन्य पादप–आधारित उत्पादों ने पानी की तुलना में ल्यूटिन मुक्ति को प्रभावित नहीं किया। सामान्य जानकारी के तौर पर, स्मूदी का सेवन जल्द से जल्द कर लेना चाहिए, क्योंकि ल्यूटिन जल्दी टूट जाता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस अध्ययन के परिणाम यह दर्शाते हैं कि शरीर के अवशोषण के लिए कितना ल्यूटिन उपलब्ध है, लेकिन इस बारे में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि वास्तव में कितना ल्यूटिन अवशोषित होता है। इसलिए, शोधकर्ता एक मानव अध्ययन करेंगे जिसमें वे विभिन्न उत्पादों से बनी स्मूदी से अवशोषित

# मधुमेह आपकी त्वचा को कैसे प्रभावित कर सकता है; 13 लक्षण जिन पर ध्यान देना चाहिए

**नई दिल्ली:** मधुमेह, एक दीर्घकालिक बीमारी है जो शरीर के लिए भोजन से प्राप्त शर्करा का उपयोग करना मुश्किल बना देती है। रक्तप्रवाह में बढ़ा हुआ रक्त शर्करा स्तर समय के साथ हृदय, रक्त वाहिकाओं, आँखों, गुर्दे और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुँचा सकता है। नियमित दवाएँ और जीवनशैली में बदलाव इस बीमारी को नियंत्रण में रख सकते हैं और जटिलताओं को नियंत्रित रख सकते हैं। मधुमेह आपकी त्वचा को भी प्रभावित कर सकता है। वास्तव में, आपकी त्वचा में होने वाले परिवर्तन कभी–कभी मधुमेह का पहला लक्षण हो सकते हैं। चयापचय संबंधी विकार होने से मौजूदा त्वचा संबंधी समस्याएं और भी बदतर हो सकती हैं और नई त्वचा संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

मधुमेह आपकी रक्त वाहिक. ाओं और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुँचा सकता है जिससे त्वचा में रक्त संचार और रक्त प्रवाह कम हो सकता है। रक्त संचार में कमी से कोलेजन में परिवर्तन हो सकता है जिससे त्वचा की बनावट, रूप और उपचार क्षमता प्रभावित हो सकती है। मधुमेह के साथ खुजली, त्वचा का मोटा होना, पीले या भूरे रंग के धब्बे, छाले, त्वचा में संक्रमण जैसी अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

"मधुमेह एक दीर्घकालिक बीमारी है और दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ती बीमारियों में से एक है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कुछ ही वर्षों में लगभग तीन में से एक व्यक्ति टाइप ॥ मधुमेह से पीड़ित होगा। शोधकर्ता और विशेषज्ञ अभी भी मधुमेह के स्थायी इलाज की तलाश में हैं, लेकिन ज़्यादातर लोग मधुमेह के लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस बीमारी के लक्षणों और प्रभावों को जानने से इसे गंभीर होने से रोका जा सकता है," द एस्थेटिक क्लिनिक्स की कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट, कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट और डर्मेटो–सर्जन डॉ. रिंकी कपूर कहती हैं।

डॉ. रिंकी त्वचा पर मधुमेह के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रही हैं जिन पर ध्यान देना चाहिए:



1. त्वचा पर जीवाणु संक्रमण। अगर आपका शुगर लेवल ज़्यादा है, तो आपको बैक्टीरिया लगने का ख़तरा ज़्यादा होता है, खासकर पलक. ों पर, जैसे कि फुंसी और फोड़े, नाखूनों में संक्रमण और त्वचा में गहरे संक्रमण। ये संक्रमण आमतौर पर दर्दनाक होते हैं और लाल और सूजे हुए दिखाई देते हैं।

2. नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका

ये त्वचा पर पीले, लाल या भूरे रंग के धब्बे होते हैं। ये आमतौर पर छोटे–छोटे उभारों के रूप में शुरू होते हैं और बड़े धब्बों में बदल जाते हैं जो छूने पर सख्त और सूजे हुए लगते हैं। ये धब्बे चमकदार दिखने लगते हैं और खुजली और दर्द का कारण बनते हैं।

3. गहरी मखमली त्वचा

यह प्री–डायबिटीज़ के सबसे आम और शुरुआती लक्षणों में से एक है। गर्दन, बगल, कमर और त्वचा की सिलवटों के अन्य हिस्सों पर त्वचा के गहरे, मखमली धब्बे दिखाई देते हैं। इन्हें एकेंथोसिस निग्रिकन्स (।छ) भी कहा जाता है और इनका दिखना ज़्यादा वज़न के कारण होता है।

4. मधुमेह के छाले

जिन्हें चिकित्सकीय रूप से बुलोसिस डायबिटिकोरम भी कहा जाता है, ये त्वचा पर कई छोटे या एक बड़े छाले के रूप में अचानक दिखाई देते हैं। ये हाथों, पैरों, पैर की उंगलियों, उंगलियों के पिछले हिस्से, टांगों और अग्रबाहुओं पर दिखाई दे सकते हैं। ये दर्द रहित होते हैं, लेकिन ऐसा लगता है जैसे आप गंभीर जलन से पीड़ित हैं।

5. डिजिटल स्क्लेरोसिस

यह लक्षण आपकी त्वचा को कड़ा और मोम जैसा बना देता है। आप इसे हाथों के पिछले हिस्से पर देखेंगे और आमतौर पर उंगलियों और जोड़ों को हिलाना मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति अग्रबाहुओं, कंधों, गर्दन और पीठ के ऊपरी हिस्से को भी प्रभावित करती है, और कभी–कभी चेहरे, कंधों और छाती को भी। जब यह आपके पैरों को प्रभावित करती है, तो आपके पैरों को मोड़ना या पैर की उंगलियों को हिलाना मुश्किल हो सकता है।

6. पिंडलियों पर धब्बे

ये धब्बे या रेखाओं के रूप में दिखाई देते हैं जो त्वचा पर गड्ढे बना देते हैं। इसे डायबिटिक डर्मोपैथी भी कहा जाता है। यह स्थिति दर्द रहित होती है, लेकिन फिर भी मधुमेह के अच्छे उपचार के लिए इस पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

7. इरप्टिव ज़ैंथोमैटोसिस

यदि आपको मधुमेह है, तो कोहनी और घुटनों के पिछले हिस्से पर छोटे–छोटे लाल–पीले रंग के दाने दिखाई देते हैं। इनमें खुजली हो सकती है और आमतौर पर उच्च कोलेस्ट्रॉल वाले युवा पुरुषों को प्रभावित करते हैं। ये अचानक दिखाई देते हैं और गायब भी हो जाते हैं।

8. असहज रूप से शुष्क और खुजली वाली त्वचा

शुष्क त्वचा शुष्क त्वचा का एक सामान्य लक्षण है। उच्च रक्त शर्करा का स्तर त्वचा की नमी को छीन सकता है जिससे अत्यधिक शुष्कता और खुजली हो सकती है। इससे त्वचा में घाव हो सकते हैं और गंभीर संक्रमण भी हो सकते हैं। डॉ. अनुराग अग्रवाल, कंसल्टेंट–इंटरनल मेडिसिन, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद, त्वचा पर मधुमेह के कुछ और लक्षण बताते हैं जिन पर ध्यान देना ज़रूरी है:

9. डायबिटिक डर्मोपैथी

ये छोटे, 1 सेमी से भी कम आकार के, एट्रोफिक गड्ढे, मैक्यूल या प्रीटिबिया पर स्पष्ट रूप से चिह्नित पपल्स होते हैं। इन्हें इंसुलिन प्रतिरोध का संकेत माना जाता है। ये 1–2 साल में अपने आप ठीक हो जाते हैं, जिससे उस जगह पर एट्रोफिक हाइपोपिग्मेंटेशन रह जाता है।

10. कैंडिडिआसिस जैसे फंगल संक्रमण

यह मुख्य रूप से कैंडिडा एल्बिकेन्स के कारण होता है, लाल पट्टिकाओं पर सफेद चिपकने वाला स्राव और सैटेलाइट पस्ट्यूल दिखाई देते हैं। वुल्वोवैजाइनल कैंडिडिआसिस सबसे आम है, इसके बाद पेरिएनल कैंडिडिआसिस होता है। इसका सरल इलाज सही उपचार और रक्त परीक्षण करवाना है।

11. रूबेओसिस फेसि

यह एक माइक्रोएंजियोपैथिक जटिलता है जिससे चेहरे पर लालिमा आ जाती है। एक सामान्य त्वचा लक्षण, लेकिन आमतौर पर अनदेखा कर दिया जाता है। सख्त ग्लाइसेमिक नियंत्रण आवश्यक है।

12. एपिडर्मल नेक्रोलिसिस/स्टीवंस–जॉनसन सिंड्रोम

यह श्लेष्मा क्षेत्र की एक दुर्लभ नेक्रोटाइज़िंग स्थिति है और एक जीवन–धमकाने वाली आपातकालीन स्थिति है, जिसका मुख्य कारण क्क्–4 अवरोधक, मुख्य रूप से सिटाग्लिप्टिन है। उपचार में पिछले 8 हफ़्तों में शुरू की गई सभी दवाओं को बंद करना शामिल है।

13. स्क्लेरेडर्मा डायबिटिकोरम

स्क्लेरेडर्मा डायबिटिकोरम मोटी पट्टिकाएँ होती हैं, जो कठोर, लालिमायुक्त होती हैं और मुख्य रूप से ऊपरी पीठ और गर्दन पर होती हैं।

Created by Universal Document Converter

# दिल्ली विस्फोट: राष्ट्र को झकझोर देने वाली अमानवीय घटना, महासंघ सहित देशभर में शोक और आक्रोश

**दिल्ली बम ब्लास्ट पीड़ितों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि नगर निगम परिसर में उमड़ा शोक और एकता का सैलाब**

**अगर केंद्र सरकार नगर निगम कर्मियों को मौका दे, तो हम न केवल कश्मीर, बल्कि पूरे देश से आतंक और आतंकवादियों का सूपड़ा साफ़ करने को तैयार हैं : वरिष्ठ नेता विनोद इलाहाबादी**

**दोषियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कराकर कड़ी से कड़ी सज़ा, यहाँ तक कि सार्वजनिक फांसी दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी आतंकी ऐसी घटना को अंजाम देने का साहस न कर सके : वरिष्ठ नेता विनोद इलाहाबादी**

**आगरा।** देश की राजधानी दिल्ली में हुए भयावह बम ब्लास्ट में मारे गए निर्दोष नागरिकों की याद में आज आगरा नगर निगम परिसर में उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। महासंघ के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने मोमबत्तियाँ जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।

इस अवसर पर महासंघ के वरिष्ठ नेता विनोद इलाहाबादी और राजकुमार विद्यार्थी के नेतृत्व में दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई।

विनोद इलाहाबादी ने कहा कि यह हमला पूरे देश के दिल पर प्रहार है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि बम ब्लास्ट में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को एक–एक करोड़ रुपये का मुआवज़ा और गंभीर रूप से घायलों को उच्च स्तरीय इलाज के साथ 50 लाख रुपये की सहायता दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कराकर कड़ी से कड़ी सज़ा, यहाँ तक कि सार्वजनिक फांसी दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी आतंकी ऐसी घटना को अंजाम देने का साहस न कर सके। अगर केंद्र सरकार नगर निगम कर्मियों को मौका दे, तो हम न केवल कश्मीर, बल्कि पूरे देश से आतंक और आतंकवादियों का सूपड़ा साफ करने को तैयार हैं।

महासंघ के वरिष्ठ सदस्य मोहन गुलज़ार ने कहा कि शहीदों और निर्दोष नागरिकों की इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ अब निर्णायक लड़ाई का समय आ चुका है।

श्रद्धांजलि सभा में नगर निगम के अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से राजकुमार विद्यार्थी, हरीबाबू वाल्मीकि, श्याम कुमार, करुणेश सुंदर बाबू, चंचल रोहित लवानिया, रेशम सिंह चाहर, संजू चौहान, सौनू चौहान, राकेश साहू, शिवचरण, विनोद सिद्धार्थ, संजीव बोहरे, रधीर सिंह, सुनील बोहरे, राजेन्द्र चौधरी, शनी चौहान, जय किशन कछवाहे और सुनील पाथौर सहित अनेक कर्मचारी शामिल थे।

सभा के समापन में सभी ने एक स्वर में देश की एकता, शांति और आतंकमुक्त भारत की संकल्पना को साकार करने का प्रण लिया।

# रिलाएंस कंजूमर प्रोडक्ट्स और 'अजीत कुमार रेसिंग' में भागीदारी, रैपा एनर्जी बाबी, मेगासिटी मेगासिटी

**बेंगलुरु, 12 नवंबर 2025:** भारत की सबसे तेजी से उभरती मोटरस्पोर्ट्स चैंपियनशिप में से एक 'अजीत रेसिंग कुमार' ने रिलाएंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) के साथ साझेदारी की घोषणा की। संबद्ध के अंतर्गत आरसी पीएल के प्रमुख ऊर्जा पेय ब्रांड रैपा ऊर्जा टीम का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र होगा।

रिलायंस कंजूमर प्रोडक्ट्स ने कहा कि "यह प्रतिष्ठित भारतीय पुरातात्विक उत्पाद वैश्विक स्तर पर उपलब्ध उदघाटन के साथ, मेड–इन–इंडिया पहल और भारतीय प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। आज के छात्रों ने कभी हार न मानने वाले जज़्बे को छोड़ दिया, कैंपा–एनर्जी ग्लोबल रेसिंग सर्किट टीम को उपलब्धियां हासिल करने की ऊर्जा।"

कुमार रेसिंग की स्थापना प्रसिद्ध अभिनेता, रेसर और पद्म पुरस्कार से सम्मानित अजित कुमार ने 2024 में की थी। इंटरनेशनल रेसिंग चैंपियनशिप में भाग लेने वाली, यह एक पेशेवर मोटरस्पोर्ट टीम है। टीम ने अपने पहले ही साल 2025 क्रेवेंटिक 24भ यूरोपियन एंड्योरेंस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए च्3 ओवरऑल फिनिश हासिल की थी।

# 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाएँ युवा: सिंधिया

**नई दिल्ली।** केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अरुणाचल प्रदेश में चल रहे "अष्टलक्ष्मी दर्शन" युवा एक्सचेंज प्रोग्राम के पहले बैच के विद्यार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। इस उद्घाटन चरण में गोवा के 19 और उत्तराखंड के 20 छात्र–छात्राएँ शामिल हुए, जिन्हें पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक विविधता को नज़दीक से देखने–समझने का अवसर मिला।

यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (DoNER) और नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल (NEC) द्वारा आयोजित एवं वित्तपोषित है। इसके तहत 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 1280 विद्यार्थी, 40 दलों में विभाजित होकर पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों का भ्रमण कर रहे हैं। इसका उद्देश्य युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान, आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करना है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प का मूर्त रूप है।

**समान भागीदारी और सांस्कृतिक जुड़ाव की पहल**

सिंधिया ने कहा कि इस कार्यक्रम की परिकल्पना करते समय सरकार ने इस बात का विशेष ध्यान रखा कि छात्र और छात्राओं, दोनों की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे कार्यक्रम समावेशिता और सशक्तिकरण का सशक्त प्रतीक बन सके। उन्होंने "अष्टलक्ष्मी दर्शन" को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के अंतर्गत एक अद्वितीय सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक पहल बताया, जिसका उद्देश्य देश के युवाओं को एक–दूसरे की भाषाओं, परंपराओं, जीवनशैली और सामाजिक ताने–बाने को समझने का अवसर देना है।

**अरुणाचल की धरती पर अनुभवों का संगम**

सिंधिया ने छात्रों से बातचीत के दौरान अपने हालिया ज़ीरो वैली दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि वहाँ का शांत वातावरण ऐसा है, जैसे समय थोड़ी देर के लिए ठहर जाता है ताकि आप धरती की धड़कन सुन सकें।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने छात्रों से उनके अनुभव साझा करने को कहा। उत्तराखंड की सौम्या बिष्ट से बातचीत में उन्होंने पूछा कि क्या वह अगली बार अपने परिवार या दोस्तों को भी अरुणाचल लेकर आएँगी जिस पर सौम्या ने मुस्कुराते हुए कहा कि दोनों को लेकर आएंगी। गोवा की रुचा परब से बातचीत में उन्होंने जलवायु के अंतर पर चर्चा करते हुए कहा कि पानी में, ज़मीन पर और पहाड़ों में रहने की सहनशक्ति अलग–अलग होती है और इस दौरान उन्होंने कुछ पंक्तियाँ मराठी में बोलकर छात्रों को प्रसन्न कर दिया। गोवा की दीपानी ने ज़ीरो वैली की अपनी यात्रा को जीवन का यादगार अनुभव बताया। हल्द्वानी के अविरल ने भारत की विविधता पर अपने विचार साझा किए, जिस पर सिंधिया ने कहा कि इस पीढ़ी का कर्तव्य है कि वह इस भावना को आने वाली पीढ़ी तक पहुँचाए। नवनीत रावत ने कार्यक्रम में और अधिक फील्ड विज़िट शामिल करने का सुझाव दिया, जबकि इवैंजलीन मेनोका ने अरुणाचल की अन्य जनजातियों और जीवनशैलियों से भी जुड़ने की बात कही।

**युवा संवाद और एकता की भावना का विस्तार**

राजीव गांधी विश्वविद्यालय (अरुणाचल प्रदेश) के छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किए। इनमें से एक माय भारत अवॉर्ड (2023–24) प्राप्तकर्ता ने बताया कि गोवा और उत्तराखंड से आए विद्यार्थियों के साथ संवाद उनके लिए "विचारों और मित्रता का बहुमूल्य अनुभव" रहा। अपने समापन संबोधन में सिंधिया ने विद्यार्थियों के उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा की सराहना की। उन्होंने कहा आप अष्टलक्ष्मी दर्शन के पहले बैच के प्रतिभागी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' दृष्टिकोण के सच्चे प्रतिनिधि। आप इस अनुभव के दूत हैं, इसे अपने साथ लेकर चलें, नई मित्रताओं को जीवित रखें और एकता के संदेश को आगे बढ़ाएँ। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार और मित्रों को अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और सौंदर्य के बारे में बताएं। उन्होंने कहा पूर्वोत्तर को सिर्फ पर्यटकों की नहीं, बल्कि ऐसे मित्रों की आवश्यकता है जो यहाँ की आत्मा को समझें और उसकी सुंदरता का उत्सव मनाएँ।"

**'विकसित भारत 2047' की दिशा में एक सशक्त कदम**

"अष्टलक्ष्मी दर्शन" युवा एक्सचेंज प्रोग्राम राष्ट्रीय एकता, युवा सशक्तिकरण और सांस्कृतिक एकजुटता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह पहल 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करती है और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक प्रेरक कदम है।

# नेहरू सिद्धांत केंद्र ट्रस्ट ने 'सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड्स 2025' की घोषणा की

**माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने मानवता की उत्कृष्ट सेवा के लिए पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया**

**जम्मू, 12 नवम्बर 2025:** नेहरू सिद्धांत केंद्र ट्रस्ट, जिसकी स्थापना वर्ष 1983 में स्वर्गीय श्री सत पॉल मित्तल द्वारा की गई थी, ने लुधियाना में "सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड्स 2025" प्रदान किए। इस अवसर पर भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया एवं छात्रवृत्तियों का वितरण किया।इस अवसर पर नेहरू सिद्धांत केंद्र ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश भारती मित्तल भी उपस्थित रहे।

सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड्स 2025 के पाँच विशिष्ट पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को प्लैटिनम और गोल्ड श्रेणियों में कुल ₹20 लाख की नकद राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

ट्रस्ट ने,1991 से अब तक, विविध सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को ₹11 करोड़ से अधिक मूल्य की 28,000+ छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं, जिनमें 76 प्रतिशत लाभार्थी छात्राएंरही हैं। वर्तमान वर्ष में, ट्रस्ट लगभग ₹2 करोड़ की छात्रवृत्तियाँ 1,700 से अधिक विद्यार्थियों को वितरित करेगा। इसके अतिरिक्त, इंटर–कॉलेज वाद–विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।इस वर्ष, ट्रस्ट नेसत्य छात्रवृत्ति कार्यक्रमकी शुरुआत की, एकमेरिट–कम–मीन्स (योग्यता–सह–आर्थिक स्थिति आधारित) पहल, जिसके अंतर्गत योग्य छात्रों की वार्षिक पाठ्यक्रम फीस का 100 प्रतिशत वहन किया जाएगा, ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बन सकें।

पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए भारत सरकार के शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, "सत पॉल मित्तल राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह केवल सम्मान का नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षा, सेवा और स्वदेशी सोच के योगदान का भी प्रतीक है।"

नेहरू सिद्धांत केंद्र ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री राकेश भारती मित्तल ने कहा,

"नेहरू सिद्धांत केंद्र ट्रस्ट में, हमारा विश्वास है कि समाज सेवा मात्र एक उदार कार्य नहीं है, यह वह बुनियाद है, जिस पर किसी राष्ट्र की सच्ची शक्ति निर्मित होती है। सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड्स इसी भावना का प्रतीक है, जो उन व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित करते हैं जिनकी साहस, करुणा और निःस्वार्थ सेवा ने दूसरों के जीवन में स्थायी परिवर्तन की लहरें उत्पन्न की हैं। इस वर्ष सम्मानित किए गए सभी उदाहरण हमें यह याद दिलाते हैं कि सार्थक परिवर्तन सहानुभूति और समुदायों को साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता से ही संभव है।

जिस तरहभारत विकसित भारत की दिशा में अपनी प्रगतिशील यात्रा जारी रखे हुए है, ट्रस्ट देश की शैक्षणिक और सामाजिक संरचना को सशक्त बनाने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। इस वर्ष हमने सत्य स्कालरशिप प्रोग्रामकी शुरुआत की और अपनी छात्रवृत्ति पहल के माध्यम से 1,700 से अधिक विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान किया, ताकि प्रत्येक बच्चा अपनी परिस्थितियों से आगे बढ़कर सपने देख सके। ये नवोन्मेषी युवा मस्तिष्क और हमारे पुरस्कार प्राप्तकर्ता मिलकर उस राष्ट्र की भावना का प्रतीक हैं जो साथ मिलकर बढ़ता और नेतृत्व करता है।मैं इंटर–कॉलेज वाद–विवाद प्रतियोगिता के विजेता को हार्दिक बधाई देता हूँ और सभी छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देता हूँ।"

सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड्स 2025 के पुरस्कार विजेता

'व्यक्तिगत' श्रेणी में सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड 2025 (प्लैटिनम) प्रदान किया गया श्रीमती मुकताबेन पंकजकुमार डागली को:

गुजरात की प्रज्ञाचक्षु महिला सेवा कुंज की संस्थापक, श्रीमती मुकताबेन पंकजकुमार डागली ने




अपने जीवन के संघर्ष और दृढ़ता की यात्रा को दृष्टिबाधित महिलाओं के सशक्तिकरण के मिशन में परिवर्तित किया। सात वर्ष की आयु में अपनी दृष्टि खो देने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और एक ऐसे संस्थान की स्थापना की, जो दृष्टिबाधित बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएँ और परिवहन की सुविधा प्रदान करता है।अहमदाबाद में 100 से अधिक दृष्टिबाधित छात्राओं को आवास और सहयोग मिलता है, जबकि मोरबी और उमरगाम में 300 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार और निःशुल्क आवास की सुविधा दी गई है। अब तक संस्थान के माध्यम से 250 दृष्टिबाधित दंपति होम साइंस प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन चुके हैं।श्रीमती डागली का कार्य आज भी गुजरात भर में दृष्टिबाधित समुदाय के लिए शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवनयापन के अवसर सृजित करने में निरंतर योगदान दे रहा है।

'संस्थागत' श्रेणी में सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड 2025 (प्लैटिनम) संयुक्त रूप से प्रदान किया गयाह्यूमन्स फॉर ह्यूमैनिटी को:

देहरादून स्थित ह्यूमन्स फॉर ह्यूमैनिटी संगठन समाज के कमजोर तबकों को जागरूकता और समावेशन के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए कार्यरत है। यह संस्था मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक रूढ़ियों और वर्जनाओं को दूर करने के लिए "ब्रेकिंग द ब्लडी टैबू" और "रेड क्लॉथ कैंपेन" जैसे अभियानों के माध्यम से सक्रिय रूप से काम कर रही है।अपने WASH (वॉटर, सैनिटेशन एंड हाइजीन) प्रोजेक्ट के तहत, संगठन ने भारत के 7 राज्यों में 45 लाख से अधिक महिलाओं तक पहुँच बनाते हुए उन्हें मासिक स्वच्छता के प्रति शिक्षित किया है और बायोडिग्रेडेबल सेनेटरी नैपकिन बनाने का प्रशिक्षण दिया है।संगठन ने अब तक 1,500 से अधिक कार्यशालाएँ आयोजित की है, जिनमें ट्रांसजेंडर पुरुषों और इंडियन मिलिट्री एकेडमी जैसी संस्थाओं के लिए विशेष सत्र भी शामिल हैं। अपने सतत प्रयासों से ह्यूमन्स फॉर ह्यूमैनिटी ने बड़े पैमाने पर सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक सशक्त आंदोलन खड़ा किया है।

'संस्थागत' श्रेणी में सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड 2025 (प्लैटिनम) संयुक्त रूप से प्रदान किया गयापरीवार एजुकेशन सोसाइटी को:

कोलकाता स्थित परीवार एजुकेशन सोसाइटी कमजोर और वंचित बच्चों के जीवन को समग्र देखभाल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से रूपांतरित करने में अग्रणी संस्था है। बच्चों से आगे बढ़ते हुए, यह संस्था मोबाइल क्लीनिक, 24/7 एम्बुलेंस सेवाएँ और विज़न रिस्टोरेशन प्रोग्राम जैसी मानवीय पहलों के ज़रिए असहाय, वृद्ध और बेघर लोगों की भी सहायता करती है।अब तक परीवार एजुकेशन सोसाइटी ने देशभर के 900 से अधिक जनजातीय गाँवों में 80,000 से अधिक बच्चों को पूरक शिक्षा और पोषण प्रदान किया है, जबकि 4,000 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को आवासीय विद्यालयों में शिक्षा दी जा रही है। संस्था ने अब तक 3.4 लाख एम्बुलेंस सेवाएँ, 7 लाख नेत्र जांचें और 78,000 से अधिक सर्जरी पूरी की हैं।अपने समर्पित प्रयासों के माध्यम से परीवार एजुकेशन सोसाइटी ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और गरिमापूर्ण जीवन के माध्यम से भारत के हाशिए पर रह रहे समुदायों के उत्थान में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

'व्यक्तिगत' श्रेणी में सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड 2025 (गोल्ड) प्रदान किया गयाडॉ. किरण मोदी को:

नई दिल्ली की डॉ. किरण मोदी को बाल कल्याण और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। 1994 में स्थापित उदयन् केयर की संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी के रूप में, उन्होंने ऐसे बच्चों के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया है जिन्हें माता–पिता का स्नेह और देखभाल प्राप्त नहीं है।दिल्ली में एक छोटे से घर के रूप में आरंभ हुआ यह प्रयास आज 15 राज्यों में फैले एक विस्तृत नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है। डॉ. मोदी ने उदयन् घर मॉडल की शुरुआत की, जो बच्चों को पारिवारिक माहौल, मेंटरशिप, भावनात्मक सहयोग और शिक्षा प्रदान करता है।उनकी पहल उदयन् शालिनी फेलोशिप के तहत अब तक 18,000 से अधिक लड़कियाँ सशक्त हुई हैं, जबकि स्किल और लाइवलीहुड सेंटर्स में 35,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। 1,200 से अधिक स्वयंसेवकों के सहयोग से, डॉ. मोदी के कार्यों ने अब तक 55,000 से अधिक जीवनों को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया है, जिससे भारत में बाल देखभाल, शिक्षा और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्रों में स्थायी परिवर्तन संभव हुआ है।

'संस्थागत' श्रेणी में सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड 2025 (गोल्ड) प्रदान किया गयास्माइल ट्रेन इंडिया को:

नई दिल्ली स्थित स्माइल ट्रेन इंडिया ने एक समुदाय–आधारित मॉडल विकसित किया है, जो जन्म से होंठ या तालु में विकृति (बसमजि बवदकपजपवदे) से पीड़ित बच्चों के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप, पुनर्वास और समग्र देखभाल प्रदान करता है।पिछले 25 वर्षों में, संगठन ने देशभर में अपने 150 से अधिक साझेदार अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से 1.5 लाख से अधिक क्लेफ्ट सर्जरी सफलतापूर्वक कराई हैं। इसके समग्र कार्यक्रम में सर्जरी, स्पीच थेरेपी, ऑर्थोडॉन्टिक उपचार और पोषण सहायता जैसी सेवाएँ शामिल है, जिनसे अब तक 7.5 लाख से अधिक व्यक्तियों को लाभ हुआ है।सिर्फ सर्जरी तक सीमित न रहते हुए, स्माइल ट्रेन इंडिया ने 1,000 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित किया है और 5 करोड़ से अधिक लोगों तक जागरूकता अभियानों के माध्यम से पहुँच बनाई है।अपनी समावेशी और सतत दृष्टि के माध्यम से, संगठन भारतभर में क्लेफ्ट से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए मुस्कान, आत्मसम्मान और नए अवसरों को पुनर्स्थापित करने का प्रेरक कार्य निरंतर कर रहा है।

'सत पॉल मित्तल नेशनल अवॉर्ड्स, प्लैटिनम और गोल्ड, प्रतिवर्ष मानवता की उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। प्रत्येक वर्ष नेहरू सिद्धांत केंद्र ट्रस्ट उन व्यक्तियों और संस्थानों से नामांकन आमंत्रित करता है जो स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, आवास, गरीबी उन्मूलन, कला, बाल अधिकार, दिव्यांगजन कल्याण तथा महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों के पूर्व प्राप्तकर्ताओं में शामिल हैं – डॉ. वंदना गोपीकुमार, श्री प्रशांत गाड़े, डॉ. ई. श्रीधरन, डॉ. एस. एस. बद्रीनाथ, सुश्री एला आर भट्ट, स्वर्गीय श्री सुनील दत्त, श्री अन्ना हजारे, अक्षय पात्र फाउंडेशन, गूंज, सलाम बालक ट्रस्ट, एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेस और स्वामी विवेकानंद यूथ मूवमेंट सहित कई अन्य।

Created by Universal Document Converter

# सीआईएसएफ ने जनभागीदारी और डिजिटल अभियानों के साथ देश भर में "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

नई दिल्ली, 7 नवंबर 2025 कृ राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गृह मंत्रालय (एमएचए) के निर्देशों का पालन करते हुए, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की सभी इकाइयों ने आज आयोजित उद्घाटन समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर, नई दिल्ली स्थित बल मुख्यालय सहित सभी सीआईएसएफ इकाइयों में सुबह 10 बजे "वंदे मातरम" के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन आयोजित किया गया, जिसमें 200 से अधिक कर्मियों ने देशभक्ति के जोश के साथ भाग लिया।

देश भर में अपनी विशाल भौगोलिक उपस्थिति के साथ, सीआईएसएफ ने इस नेक संदेश का व्यापक प्रसार सुनिश्चित किया। प्रमुख शहरों के साथ-साथ दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित इकाइयों ने अधिकतम जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे नागरिकों को सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता की साझा भावना से जोड़ा जा सके।

सभी इकाइयों और संरचनाओं के सीआईएसएफ कर्मियों ने "वंदे मातरम के साथ कराओके" नामक डिजिटल अभियान में भाग लिया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय गीत के पूर्ण संस्करण को रिकॉर्ड और अपलोड किया। कई स्थानों पर, उत्सव की भावना को बढ़ाने के लिए गायन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

सभी इकाइयों और संरचनाओं ने माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन के लाइव प्रसारण में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे इस राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव की शुरुआत हुई। अभियान के संदेश को बढ़ावा देने के लिए होर्डिंग, बैनर, वेबसाइट क्रिएटिव और एक लघु फिल्म जैसे स्वीकृत ब्रांडिंग सहायक उपकरण भी अनावरण किए गए।

इस राष्ट्रव्यापी उत्सव की गति को बनाए रखने के लिए पूरे वर्ष अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

"वंदे मातरम" का स्मरणोत्सव भारत की एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना के प्रति एक श्रद्धांजलि है – जो प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र को एक साथ बांधने वाले स्थायी मूल्यों पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। सभी सीआईएसएफ इकाइयों को इन गतिविधियों में बल कर्मियों के साथ-साथ आम जनता को भी शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिससे सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिलेगा और समकालीन समाज में हमारे राष्ट्रीय गीत की शाश्वत प्रासंगिकता को सुदृढ़ किया जा सकेगा।

# एयर इंडिया एक्सप्रेस में बम धमकी से हड़कंप, 5 बड़े एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर

**वाराणसी।** वाराणसी जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान में बम की धमकी मिली, जिसके बाद एयरलाइन ने तुरंत सरकार द्वारा नियुक्त बम खतरा आकलन समिति को सूचित किया। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान में सुरक्षा संबंधी धमकी मिली। प्रोटोकॉल के अनुसार, तुरंत सूचित किया गया और सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय तुरंत शुरू किए गए।

बयान में आगे कहा गया उड़ान सुरक्षित रूप से उतर गई और सभी यात्रियों को उतार लिया गया। सभी अनिवार्य सुरक्षा जाँच पूरी होने के बाद विमान को परिचालन के लिए छोड़ दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इंडिगो को पाँच प्रमुख हवाई अड्डों – दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और तिरुवनंतपुरम – के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी मिलीं। सुरक्षा संबंधी धमकी डिजिटल माध्यम से प्राप्त हुई। सूत्रों ने बताया कि धमकी देने के लिए ईमेल के बजाय वैकल्पिक डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिसकी सूचना आज दोपहर को दी गई। यह घटनाक्रम दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए एक कार विस्फोट में 12 लोगों की मौत के बाद देशव्यापी सुरक्षा अलर्ट घोषित किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है, जिसके बाद अधिकारियों ने हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और मेट्रो नेटवर्क सहित प्रमुख परिवहन बिंदुओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी है।

# जिंद्रा क्लब ने एक हफ़्ते में 2 खिताब जीते

**जम्मू:** रोलर एथलीट स्केटिंग क्लब जिंद्रा ने एक हफ़्ते में **2** चैंपियन खिताब जीतकर पिछले कई सालों से अपराजित रोलर हॉकी क्लब होने का रिकॉर्ड बनाया। अतुल शर्मा की कप्तानी में जिंद्रा क्लब ने जम्मू-कश्मीर यूटी चैंपियनशिप में जम्मू-कश्मीर मास्टर रोलर हॉकी चैंपियन का खिताब जीता और अंकुश कोहली की कप्तानी में दूसरे जम्मू-कश्मीर मास्टर गेम्स में प्रतिष्ठित दूसरा जम्मू-कश्मीर मास्टर रोलर हॉकी चैंपियन का खिताब जीता।




कृष गुप्ता और संजीव कुमार सभी मैचों में अजेय रहे और उन्होंने कई बार विरोधियों की रक्षात्मक रेखा को पार किया और खूबसूरत गोल दागे।

वहीं, अनुभवी खिलाड़ी अंकुश कोहली और अतुल शर्मा के डिफेंस और रिंक पर अनुभव ने टीम को गोल करने में मदद की, जबकि क्लब के गोलकीपर गगन सिंह ने हमेशा की तरह विरोधियों के गोल बचाकर रिंक पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

वहीं, एक अन्य अंतरराष्ट्रीय स्केटर प्रदीप सिंह ने भी दूसरे मास्टर गेम्स में शतरंज वर्ग में मास्टर्स शतरंज खिताब जीता। क्लब के मुख्य संरक्षक जोगिनर कोहली और विधि सिंह ने टीम के प्रति क्लब के समर्पण, ईमानदारी और कड़ी मेहनत की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं, जबकि क्लब ने यह जीत स्वर्गीय जी.एस. खुर्मी को समर्पित की और मास्टर्स टीम के सभी खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा भी की।

# पूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का आरएस पुरा में संत न्यास की तरफ से स्वागत किया गया

**आरएसपुरा:** पूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का बुधवार को आरएस पुरा की पावन धरती पर पहुंचने पर जम्मू कश्मीर संत न्यास की तरफ से स्वागत किया गया। जम्मू कश्मीर संत न्यास के प्रदेश महामंत्री महंत राजेश बिट्टू की अध्यक्षता में पूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का पुराना पिंड से स्वागत हुआ और एक भव्य शोभा यात्रा निकाल कर श्री राधा कृष्ण मंदिर में महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज को सम्मानित किया गया तथा उनके प्रवचनों को भी सुना गया। इस मौके पर डीआईजी शिव कुमार शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता, सनातन धर्म सभा के प्रधान पुरुषोत्तम जी, स्वामी रामनारायण शास्त्री जी, सोमानंद जी महाराज, विक्रम शर्मा, महंत सुनील गिरी जी के साथ-साथ संत समाज के कई



संत तथा श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस मौके परपूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहां की श्रीमद्भागवत गीता से ही जीव का कल्याण हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य तनाव के वातावरण में फंसा हुआ है ऐसी स्थिति में श्रीमद् गीता के उपदेश से ही जीव तनाव से बाहर निकल सकता है। इस मौके पर महंत राजेश बिट्टू ने कहा कि आरएस पुरा क्षेत्र के लोगों के लिए आज सौभाग्य की बात है की पूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज आरएस पुरा की पावन धरती पर पहुंचे हैं और गीता का उपदेश दिया है। वहीं इसके बाद पूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज सुचेतगढ़ ऑक्ट्रॉय सीमा सुरक्षा चौकी पर पहुंचे जहां पर उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों एवं अधिकारियों के साथ मुलाकात की और श्रीमद्भागवत गीता के उपदेश दिए। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता से जुड़ने से मन मजबूत होता है और कासन से लड़ने की हिम्मत मिलती है। उन्होंने कहा कि खासकर हमारे जुबा पीढ़ी को श्रीमद् भागवत गीता से जुड़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि 1 दिसंबर को कुरुक्षेत्र में गीता उत्सव धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है और इस सिलसिले में प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल, भाजपा के जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी, मंडल अध्यक्ष मित्तल चौधरी प्रवीण चौधरी टिंकू, मंडल अध्यक्ष देवी दिता, नीटा मित्तल चौधरी सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

Printer, Publisher, Owner, Editor by: Sanktha Prasad Singh Published from: GH Road Skara, Near Ladakh Public School, Leh (Ladakh) - 194104, Published from: Ladakh Imperial Printing press, Gh Skara, Near Ladakh Public School, Leh Ladakh, 194104, Mob.: Mob.: 9818069272, 8287390112, Email: ladakhtoday@gmail.com
**All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent courts and forums in Leh - city.

Created by Universal Document Converter